मनाकुला विनयगर मंदिर पुडुचेरी

दैनिक

उद्योग आस-पास

जयपुर एवं सीकर से एक साथ प्रकाशित

www.dainikudyogaaspass.com, E-mail: jaipurasspass@yahoo.com

SKJ Jewellers

आज का भाव
सोना जेवराती
141,800 रु.प्रति दस ग्राम
सोना 24 कैरेट
155,000 रु.प्रति दस ग्राम
चांदी जेवराती
235,000 रु. प्रति किलो

वैशाली नगर
गौतम मार्ग, वैशाली नगर, जयपुर
0141-4005001

विद्याधर नगर
0141-2820777

कुल पृष्ठ 8 मुल्य 2.00 वर्ष 22 अंक 292 जयपुर, शुक्रवार, 18 सितम्बर, 2026 भाद्रपद शुक्ल सप्तमी, संवत् 2083 आर.एन.आई. RAJHIN/2007/23406

प्रधान, पंच-सरपंच के आरक्षण की लॉटरी अब 23-24 सितंबर

26 तक चुनाव कार्यक्रम की घोषणा संभव; पहले 2 बार हो चुकी है स्थगित

जयपुर। राज्य सरकार ने पंचायतीराज संस्थाओं में आरक्षण की स्थगित की गई लॉटरी की नई तारीखों की घोषणा कर दी है। अब प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के आरक्षण की लॉटरी 23 सितंबर को निकाली जाएगी। पंच और सरपंच के आरक्षण की लॉटरी 24 सितंबर को उपखंड स्तर पर निकाली जाएगी।

पंचायतीराज आयुक्त जोगाराम ने बुधवार देर रात सभी कलेक्टरों को लेटर भेजकर 23 और 24 सितंबर को आरक्षण की लॉटरी निकालने के आदेश दिए हैं।

पहले प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य के आरक्षण की लॉटरी 17 सितंबर और पंच, सरपंच की लॉटरी 18 सितंबर को निकाली जानी थी। लेकिन 15 सितंबर को इसे स्थगित कर दिया था। इसे स्थगित करने का कारण शहरी निकाय प्रमुखों का चुनाव बताया था। इससे पहले 16 अगस्त को भी पंचायत चुनाव की लॉटरी को स्थगित कर दिया गया था। तब 18 अगस्त को सरंपचों और वार्ड पंचों की लॉटरी निकाली जानी थी।

लॉटरी के बाद पंचायतीराज चुनाव कार्यक्रम की घोषणा: आरक्षण की लॉटरी के बाद राज्य निर्वाचन आयोग प्रदेश में पंचायतीराज चुनावों के कार्यक्रम की कभी भी घोषणा कर सकता है। आयोग की तैयारियों के अनुसार 26 सितंबर के आसपास चुनाव कार्यक्रम की घोषणा संभव है।

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लग जाएगी। हाईकोर्ट के आदेशों के अनुसार नवंबर तक स्थानीय निकाय और पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव करवाने हैं।

पंचायतीराज आयुक्त के आदेश में भी निकाय प्रमुखों के चुनाव की तारीखों का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार निकाय अध्यक्षों के चुनाव 21 और उपाध्यक्षों के चुनाव 22 सितंबर तक पूरे हो जाएंगे। ऐसे में पंचायतीरज आरक्षण की लॉटरी 23 और 24 सितंबर को करवाने को कहा है।

सेमीकंडक्टर में चिप डिजाइन से कमर्शियल प्रोडक्शन तक पहुंचा भारतः पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में चिप डिजाइन से लेकर कमर्शियल प्रोडक्शन तक पहुंच गया है। सेमीकॉन इंडिया के पांचवें संस्करण के उद्घाटन समारोह में उन्होंने कहा कि 2022 में शुरू हुई इस यात्रा में पहले नीति, फिर परियोजनाओं, पायलट लाइनों और टेस्ट चिप्स से जुड़े चरण आए और अब भारत के प्लांट्स से चिप्स देश और दुनिया के ग्राहकों तक पहुंचने लगी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोहाली और सूरत में दो और प्लांट्स में कमर्शियल प्रोडक्शन शुरू हो रहा है। उन्होंने सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण, सप्लाई चेन, फैबलेस कंपनियों, आरएंडडी, कुशल युवाओं और ऊर्जा सुरक्षा को भारत के सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विस्तार के लिए अहम बताया।

सेमीकॉन इंडिया के पांचवें संस्करण का आयोजन

प्रधानमंत्री ने केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव और जितिन प्रसाद, इंडस्ट्री लीडर्स, सीईओ, डेलिगेट्स और देशभर के विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से जुड़े युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने विदेश से आए प्रतिनिधियों का भी भारत में स्वागत किया। उन्होंने कहा कि सेमीकॉन इंडिया का यह पांचवां संस्करण है और हर वर्ष इसके साथ चर्चा का दायरा आगे बढ़ा है।

विश्वकर्मा जयंती से जुड़ा निर्माण और तकनीक का संदेश: पीएम नरेंद्र मोदी ने विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में भगवान विश्वकर्मा को निर्माण और सृजन की शक्ति का प्रतीक माना जाता है। उन्होंने कहा कि एक ओर भारत की सदियों पुरानी निर्माण परंपरा और दूसरी ओर 21वीं सदी की तकनीक व विजन, आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की प्रेरणा का आधार हैं।

15 दिनों की उपलब्धियों का किया उल्लेख: प्रधानमंत्री ने कहा कि सितंबर के पिछले 15 दिनों की उपलब्धियों से अंदाजा लगाया जा सकता है कि भारत किस दिशा और कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने मुंबई में हुए ग्लोबल फिनटेक फेस्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि इसमें एजेंटिक एआई, टोकनाइजेशन और क्वांटम टेक्नोलॉजी के जरिए समावेशी वित्त पर चर्चा हुई। इसी अवधि में करीब 3,000 किलोमीटर का डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पूरी तरह ऑपरेशनल होने का भी उन्होंने उल्लेख किया।

जीडीपी ग्रोथ और क्रेडिट रेटिंग का हवाला

पीएम मोदी ने कहा कि चुनौतीपूर्ण दौर के बीच भारत ने 7.8त्न की तिमाही जीडीपी ग्रोथ दर्ज की है। उन्होंने जापान की एक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी द्वारा भारत की सॉवरेन रेटिंग में सुधार किए जाने का भी उल्लेख किया। उनके मुताबिक, इससे एक ओर भारत की अर्थव्यवस्था में वृद्धि और दूसरी ओर दुनिया के भारत पर बढ़ते भरोसे का संकेत मिलता है।

बोर्ड ने कार्यकाल बढ़ाने को दी मंजूरी

चंद्रशेखरन 2032 तक बने रहेंगे टाटा संस के चेयरमैन

नई दिल्ली। टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन का कार्यकाल पांच साल के लिए बढ़ाकर 2032 तक करने को कंपनी के बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। हालांकि, इस फैसले पर अंतिम मुहर सालाना आम बैठक में लगनी बाकी है। टाटा संस में टाटा ट्रस्ट्स की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। चंद्रशेखरन का मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में समाप्त होना था।

चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त 2026 को अपने पद से इस्तीफा दिया था। उस समय उन्होंने कहा था कि उनके अगले पांच साल के कार्यकाल के विस्तार के प्रस्ताव को बोर्ड के एक सदस्य का समर्थन नहीं मिलने के कारण निर्णय आगे नहीं बढ़ सका। इसके बाद अब बोर्ड ने उनके कार्यकाल को 2032 तक बढ़ाने का फैसला किया है। रिपोर्टों के अनुसार, ट्रस्ट बोर्ड के सदस्य नोएल टाटा ने प्रस्ताव का विरोध किया, जबकि वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन के पुनर्नियुक्ति प्रस्ताव का समर्थन किया।

टाटा समूह की नीति के अनुसार एग्जीक्यूटिव पदों पर सामान्यत: 65 वर्ष की उम्र में सेवानिवृत्ति होती है। चंद्रशेखरन का नया कार्यकाल पूरा होने पर उनकी उम्र करीब 70 वर्ष होगी। इस तरह समूह में पहली बार किसी ग्रुप एग्जीक्यूटिव का कार्यकाल निर्धारित सेवानिवृत्ति आयु के बाद तक जारी रहेगा।

चंद्रशेखरन अक्टूबर 2016 में टाटा संस के बोर्ड में शामिल हुए थे और जनवरी 2017 में चेयरमैन बने। उनके कार्यकाल में समूह ने एविएशन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी और डिजिटल कारोबार जैसे क्षेत्रों में विस्तार किया। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2020 में टाटा समूह का राजस्व करीब 7.89 लाख करोड़ रुपए था, जो वित्त वर्ष 2026 में बढ़कर 16.24 लाख करोड़ रुपए हो गया। इसी अवधि में मुनाफा 32 हजार करोड़ से बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपए बताया गया है। टाटा संस समूह की मुख्य कंपनी है, जबकि टाटा ट्रस्ट्स सामाजिक और परोपकारी गतिविधियों से जुड़े ट्रस्टों का समूह है और टाटा संस में इसकी करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

जयपुर में तेज बारिश, परकोटे में लगा जाम

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) राजस्थान में गुरुवार को जयपुर, सीकर, अजमेर समेत कई जिलों में बरसात हुई। जयपुर में गुरुवार शाम को तेज बारिश हुई। आदर्श नगर में पिंक स्क्वायर मॉल के सामने बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया। बारिश के बाद शहर में जगह-जगह जाम लग गया।सीकर में भी 4 दिन बाद सुबह बरसात हुई। अजमेर शहर में शाम को मौसम बदला और तेज बारिश हुई। जिले के केकड़ी में 2 घंटे तक तेज बरसात हुई। इस दौरान निचले इलाकों में पानी भर गया। बूंदी जिले के कई इलाकों में बारिश से खेतों में कटी पड़ी उड़द और सोयाबीन की फसलें भीग गईं। सवाई माधोपुर के गंगापुर सिटी में बारिश से बाजार में पानी भर गया। भरतपुर जिले के नदबई में भी शाम को तेज हवा के साथ बरसात हुई। करीब 1 घंटे तक हुई बारिश से शहर के कई इलाकों में पानी भर गया।

जयपुर में 3 मंजिला बिल्डिंग में आग, 25 दुकानें जलीं

जयपुर।(आस-पास ब्यूरो) जयपुर में त्रिपोलिया बाजार के मणिहारों का कटला में 3 मंजिला सेठी कॉम्प्लेक्स में गुरुवार सुबह 7 बजे भीषण आग लग गई। दूसरी मंजिल पर चूड़ियों के गोदाम में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। धीरे-धीरे 25 दुकानें आग की चपेट में आ गईं। इनमें कपड़ों के गोदाम, प्लास्टिक का सामान, कॉस्मेटिक आइटम और चूड़ियों की दुकानें थीं। सुबह 8 बजे फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं। 30 फायर ब्रिगेड और करीब 50 कर्मचारियों ने दोपहर करीब 2:30 बजे आग पर काबू पाया। इस दौरान इलाके की बिजली बंद कर दी गई। घटना स्थल के पास में पुरोहितजी का कटला सहित आसपास की दुकानें बंद रहीं। (विस्तृत पेज 7 पर देखे)

पीएम मोदी के जन्मदिन पर जयपुर में जलाए 50-हजार दीये

6 फीट का केक काटा, कॉकरोच जनता पार्टी ने भी जलाए दीपक

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को राजस्थान में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए। जयपुर में उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा ने अल्बर्ट हॉल पर 'एक दीप आशीर्वाद का' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें 50 हजार दीये जलाए गए।

बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर में प्रदेश ऑफिस के साथ ही अमर जवान ज्योति पर दीया जलाया। इस दौरान सिविल लाइंस से विधायक गोपाल शर्मा ने जेसीबी से पुष्प वर्षा करवाई। भाजपा नेताओं-कार्यकर्ताओं ने अपने घरों, सार्वजनिक स्थानों पर आशीवार्द का दीया जलाकर पीएम मोदी के स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।

जयपुर में बीजेपी पार्षदों ने स्वच्छता अभियान चलाया। बाड़ेबंदी में रखे गए पार्षदों ने पीएम मोदी के जन्मदिन पर रिसोर्ट के बैक एरिया में सफाई करके स्वच्छता की शपथ की। इस दौरान पार्षदों ने कहा- बीजेपी का बोर्ड जयपुर शहर को हमेशा स्वच्छ रखेगा।

जयपुर में कॉकरोच जनता पार्टी ने भी आशीर्वाद के दीये जलाए गए। सीजेपी के नेशनल कन्वीनर आशुतोष रांका ने बताया- राजस्थान सरकार ने प्रदेश के स्कूल-कॉलेजों में आशीर्वाद का दीया जलाने की अपील की है। इसके तहत सीजेपी ने भी दीए जलाए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जीवन जनसेवा और राष्ट्रसेवा के संकल्प को समर्पित

प्रधानमंत्री के स्नेह और मार्गदर्शन से हो रहा राजस्थान का बहुमुखी विकासः मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री की अपील, प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान में सहभागी बनें राजस्थानवासी

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का सम्पूर्ण जीवन कर्मयोगी के रूप में जनसेवा और राष्ट्रसेवा के संकल्प के लिए समर्पित रहा है। उनके परिश्रम, दूरदृष्टि और राष्ट्रनिष्ठा ने भारत के सामर्थ्य को नई पहचान दी है। उनका जीवन यह प्रेरणा देता है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और देशहित के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के साथ बड़े से बड़ा लक्ष्य भी प्राप्त किया जा सकता है।

प्रधानमंत्री का नेतृत्व, भारत के नव निर्माण की आधारशिला: मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आत्मनिर्भरता, सुशासन और विकसित भारत की दिशा में निर्णायक कदम बढ़ा रहा है। विकास की गति गांव से शहर और समाज के अंतिम पायदान तक पहुंची है तथा जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों परिवारों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के साहसिक नेतृत्व में देश की आंतरिक सुरक्षा सुदृढ़ हुई है, रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी सामर्थ्य बढ़ रहा है तथा विश्व में भारत की साख और छवि मजबूत हुई है।

प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में राजस्थान विकास की नई राह पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का राजस्थान के प्रति विशेष स्नेह और आत्मीय लगाव रहा है। उनके मार्गदर्शन में राम जल सेतु लिंक परियोजना, यमुना जल समझौता, राजस्थान रिफाइनरी और जयपुर मेट्रो फेज-2 जैसे महत्वपूर्ण निर्णय प्रदेश के विकास को नई गति दे रहे हैं। जल, ऊर्जा, परिवहन और औद्योगिक विकास से जुड़े प्रयासों में भी प्रधानमंत्री का निरंतर मार्गदर्शन मिल रहा है।

युवाओं के हित में डबल इंजन सरकार ने मजबूत कदम उठाएं मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने युवाओं के हित में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। ढाई वर्ष में 1 लाख 90 हजार पदों पर नियुक्तियां दी हैं तथा 1 लाख 20 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रियाधीन है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 में सवा लाख पदों के लिए भर्ती कैलेंडर जारी किया गया है। इससे युवाओं का भरोसा राज्य सरकार पर और अधिक मजबूत हुआ है।

हर घर, हर गांव और हर शहर में आशीर्वाद का दीपक जलाएं मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस को पूरा राष्ट्र 'सेवा संकल्प अभियान-जन सेवा ही प्रभु सेवा' के रूप में मना रहा है। उन्होंने प्रदेशवासियों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री के प्रति सम्मान और आत्मीयता को जनभागीदारी के माध्यम से अभिव्यक्त करें। साथ ही, 17 सितम्बर को शाम 7 बजे राजस्थान के हर घर, हर गांव और हर शहर में

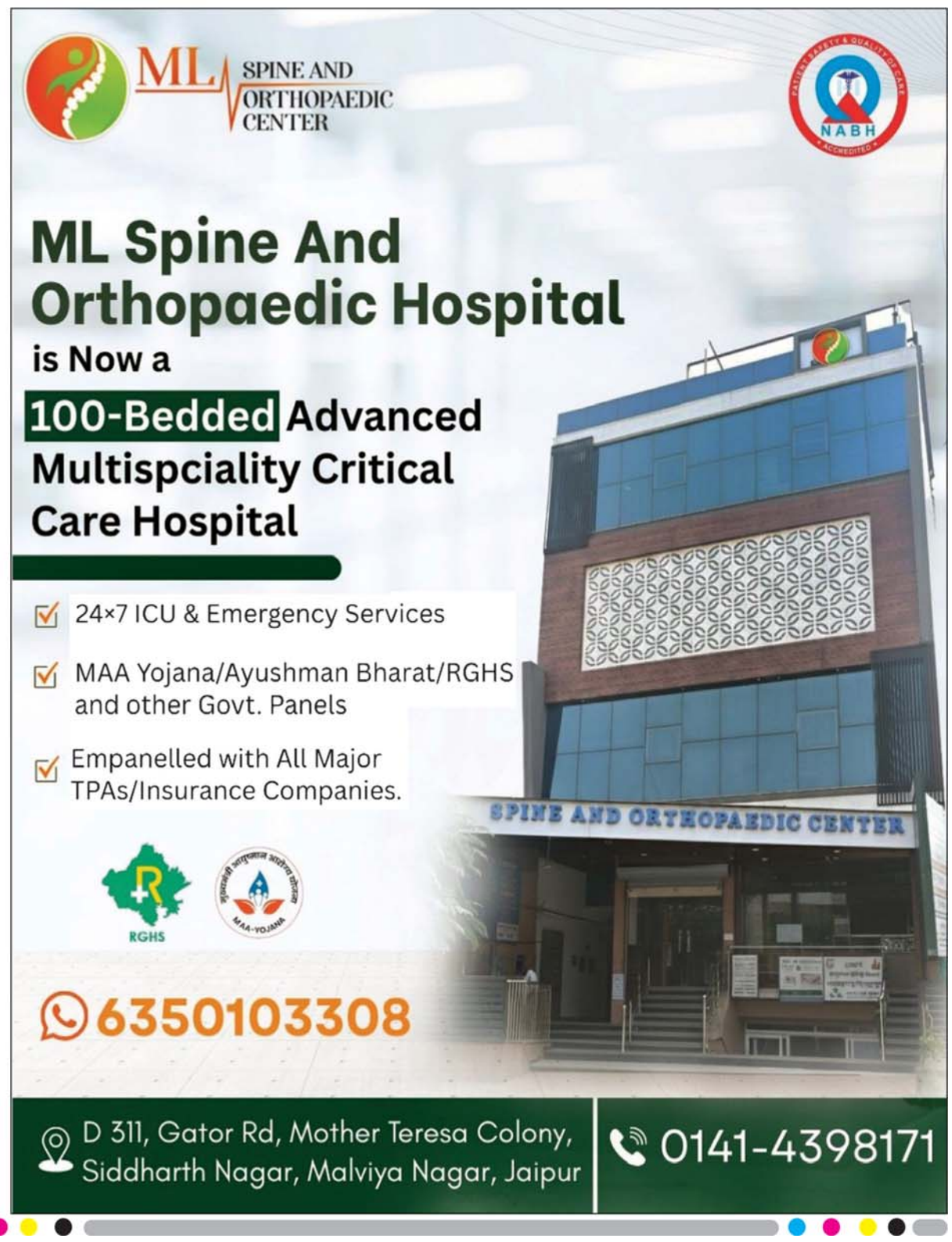

सरोकार

मोदी : सेवा और संकल्प से विकसित भारत की ओर

नरेंद्र मोदी जी ने 7 अक्टूबर 2001 को गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पहली बार शपथ ली। उस दिन से शुरू हुआ जनसेवा का सिलसिला 25 वर्षों से अविराम जारी है। विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता प्रधानमंत्री मोदी ने भारत को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त कर आत्मगौरव और आत्मनिर्भरता के नए युग में प्रवेश कराया है। यह अवसर मां भारती के सपूत के

अभिनंदन के साथ ही उनके संकल्पों में सहभागिता का भी है। जब उन्होंने गुजरात के शासन की कमान संभाली, तब राज्य विनाशकारी भुज भूकंप की पीड़ा से जूझ रहा था। इस पीड़ा से उन्होंने न केवल गुजरात को उबारा, बल्कि उसे भारत का ग्रोथ इंजन भी बना दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' का मूलमंत्र देश को दिया। पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय दर्शन को साकार करते हुए उन्होंने अपनी हर योजना के केंद्र में अंतिम व्यक्ति को रखा। डिजिटल वित्तीय समावेशन के माध्यम से उन्होंने देश के करोड़ों गरीबों को बैंकिंग प्रणाली से जोड़ा। जनधन-आधार-मोबाइल की त्रिमूर्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के जरिए सरकारी योजनाओं का शत-प्रतिशत पैसा सीधे हितग्राहियों के बैंक खातों में पहुंचने लगा। उज्ज्वला योजना से करोड़ों माताओं-बहनों को धुएं से मुक्ति मिली, स्वच्छ भारत अभियान ने जन-स्वास्थ्य और नारी सम्मान के प्रयासों को नया आयाम दिया, प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों परिवारों को पक्की छत प्रदान की और आयुष्मान भारत ने देश के हर नागरिक को मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण इलाज का सुरक्षा कवच दिया। छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बहुल राज्य है और एक जनजातीय समाज के प्रतिनिधि के रूप में मैं व्यक्तिगत रूप से इस बात का साक्षी हूं कि प्रधानमंत्री ने जनजातीय समाज के सर्वांगीण विकास के लिए जो कार्य किए हैं, वे अभूतपूर्व हैं। इनका असर सार्वजनिक जीवन के सभी क्षेत्रों में दिख रहा है। आजादी के सात दशकों बाद देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर द्रौपदी मुर्मु विराजमान हैं।

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का ऐतिहासिक निर्णय हो या देश के विशेष पिछड़ी जनजातीय समूहों के लिए पीएम-जनमन योजना की शुरुआत, पीएम मोदी ने जनजातीय समाज की संस्कृति, कला और अधिकारों को संरक्षित करते हुए उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से देश के जनजातीय बहुल गांवों में बुनियादी सुविधाओं का समग्र विकास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ जैसे जनजातीय बहुल राज्यों के विकास और समृद्धि के प्रति प्रधानमंत्री मोदी का स्नेह सदैव रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के 25 वर्षों के स्वर्णिम कालखंड की एक सबसे महत्वपूर्ण पहचान भारत का इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रांसफॉर्मेशन है। देश के कोने-कोने में एक्सप्रेसवे का जाल बिछ रहा है, वंदेभारत ट्रेनें दौड़ रही हैं, हवाई अड्डों और बंदरगाहों का रेकॉर्ड समय में आधुनिकीकरण हो रहा है। मध्य भारत में हमारे प्रदेश की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति की वजह से इस इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रांसफॉर्मेशन का सर्वाधिक लाभ हमें मिल रहा है।

डिजिटल इंडिया और यूपीआई की सफलता ने विश्व के विकसित देशों को भी भारत की तकनीकी क्षमता का लोहा मानने पर मजबूर कर दिया है। आज दुनिया के कुल रियल-टाइम डिजिटल लेनदेन का एक बड़ा हिस्सा अकेले भारत में हो रहा है। सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर स्पेस टेक्नोलॉजी, एआई और ग्रीन एनर्जी तक भारत नई तकनीक के केंद्र के रूप में तेजी से उभर रहा है। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प ने देश के विनिर्माण क्षेत्र को नई ऊर्जा दी है।

पीएम मोदी ने भारत की सांस्कृतिक चेतना को पुनः जागृत किया है। 500 वर्षों के लंबे इंतजार और संघर्ष के बाद अयोध्या में प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा का क्षण पूरे देश के लिए सांस्कृतिक स्वाभिमान का सूर्योदय था।

- विष्णु देव साय (लेखक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री हैं)

मोदी को 'धमकाना' ट्रंप को पड़ा भारी!

रूसी तेल पर अमेरिका के नए दांव का भारत ने दिया करारा जवाब

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई।

नीरज कुमार दुबे

कहने को तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप नरेंद्र मोदी को अपना अच्छा दोस्त कहते हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि शायद वह मोदी को अब तक अच्छे से जान ही नहीं पाए हैं। देखा जाये तो जो लोग नरेंद्र मोदी को जानते नहीं, वह अक्सर धमकियों, प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव के सहारे उन्हें झुकाने का सपना देखते हैं। लेकिन मोदी का संकल्प साफ है कि भारत के हितों से समझौता नहीं होगा और देश को किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने नहीं देना है। उनके हर फैसले में यही दृढ़ता दिखाई देती है। दूसरी ओर, ट्रंप ने अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत से ही भारत पर दबाव बनाने के लिए शुल्क, व्यापारिक दबाव और रूस से तेल खरीद बंद कराने जैसी तमाम कोशिशें कीं, लेकिन नई दिल्ली ने हर बार अपने राष्ट्रीय हित को सर्वोच्च रखा। अब अमेरिका एक बार फिर टैरिफ रूपी आर्थिक हथियार लेकर मैदान में उतरा है, लेकिन मोदी सरकार ने भी बिना देर किए वाशिंगटन को साफ संदेश दे दिया है कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक हित किसी विदेशी दबाव की कीमत पर तय नहीं होंगे।

हम आपको बता दें कि जिस विधेयक को अमेरिकी कांग्रेस में पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था, वह करीब डेढ़ साल तक अमेरिकी राजनीति और ट्रंप प्रशासन की प्राथमिकताओं के बीच अटका रहा। लेकिन इस महीने यानि सितंबर 2026 में तस्वीर अचानक बदल गई। भारत में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ सक्रिय कूटनीतिक भागीदारी के कुछ ही दिनों बाद अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस और ईरान पर नए प्रतिबंधों वाला विधेयक पारित कर दिया। घटनाक्रम का समय भले ही संयोग हो, लेकिन संदेश बेहद स्पष्ट है कि वाशिंगटन रूस से जुड़े देशों पर आर्थिक दबाव बढ़ाने के लिए अब शुल्क को हथियार के रूप में इस्तेमाल करने को तैयार है।

लेकिन भारत ने भी अमेरिका को उसी क्षण जवाब दे दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दो टूक कहा कि भारत अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेगा। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत बदलती बाजार परिस्थितियों के अनुसार अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा खरीदता रहेगा। इतना ही नहीं, नई दिल्ली ने अमेरिका को याद दिलाया कि इस कदम के भारत-अमेरिका संबंधों के साथ-साथ पूरे अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों के बारे में अमेरिकी पक्ष को पहले ही उच्च स्तर पर स्पष्ट रूप से बताया जा चुका है। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय ने महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि भारत अपने व्यापार और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा। यानी अमेरिका शुल्क की धमकी दे सकता है, लेकिन भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा की कीमत पर किसी विदेशी दबाव के आगे झुकने के लिए तैयार नहीं है।

दरअसल, जिस विधेयक को अब 'लिंडसे ओ. ग्राहम रूस और ईरान प्रतिबंध अधिनियम 2026' कहा जा रहा है, उसकी कहानी डेढ़ साल पुरानी है। अप्रैल 2025 में लिंडसे ग्राहम और रिचर्ड ब्लूमेंथल ने रूस के खिलाफ कड़े प्राथमिक और द्वितीयक प्रतिबंधों की पहल की थी। इसके बाद लंबे समय तक इसे कांग्रेस और प्रशासन के बीच समर्थन जुटाने की प्रक्रिया से गुजरना पड़ा। जुलाई 2026 में व्हाइट हाउस से सहमति बनने के बाद इसकी राह खुली। अगस्त में सीनेट ने इसे 86 के मुकाबले 11 मतों से पारित किया और 16 सितंबर को प्रतिनिधि सभा ने 262 के मुकाबले 159 मतों से इसे मंजूरी दे दी।

यह विधेयक अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस के तेल और गैस के सबसे बड़े खरीदारों पर सौ प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देता है। भारत और चीन इसके निशाने पर हैं। इसके पीछे अमेरिकी रणनीति रूस की ऊर्जा आय को चोट पहुंचाने की है, ताकि यूक्रेन युद्ध के लिए मास्को को मिलने वाले आर्थिक संसाधनों पर दबाव बनाया जा सके। विधेयक में रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों के साथ-साथ प्रतिबंधों से बचने वाले उसके जहाजी बेड़े पर भी शिकंजा कसने का प्रावधान है। लेकिन अमेरिका शायद यह भूल रहा है कि भारत रूस से तेल किसी राजनीतिक एहसान के लिए नहीं खरीद रहा। भारत की जरूरत है सस्ती, विश्वसनीय और लगातार उपलब्ध ऊर्जा। 2022 में रूस भारत के लिए कोई बड़ा तेल आपूर्तिकर्ता नहीं था। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंध लगाए जाने से रूस का कच्चा तेल भारी छूट पर उपलब्ध हुआ और भारत ने अपने आर्थिक हित में इसे खरीदना शुरू किया। इसके बाद रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन गया।

शत्रुओं पर विजय प्राप्त करा सकता है महानंदा नवमी का व्रत

सनातन धर्म में माघ, भाद्रपद और मार्गशीर्ष माह की शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को महानंदा नवमी के रूप में मनाया जाता है। वर्ष 2026 में भाद्रपद शुक्ल पक्ष की नवमी रविवार यानि 20 सितंबर को है। इसे नंदा नवमी, ताला नवमी या चंद्र नवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन देवी नंदा (माता पार्वती या दुर्गा का ही एक स्वरूप) की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। चंद्रमा की पूजा का भी विधान है। मान्यता है कि महानंदा नवमी पर व्रत रखकर देवी पूजन करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है। खास बात यह है कि इससे शत्रुओं पर विजय भी प्राप्त होती है।

महानंदा नवमी या चंद्र नवमी का भारत के उत्तरी और पूर्वी क्षेत्रों में विशेष महत्व है। खासकर ओडिशा और पश्चिम बंगाल में देवी भक्तों के लिए यह दिन आध्यात्मिक रूप से एक सुखद अनुभव का रहता है। मान्यता है कि इस दिन मनोयोग से देवी पूजन से दैव कृपा प्राप्त होती है।

ज्योतिषाचार्य पंडित सोमेश परसाई बताते हैं कि इस दिन विधि-विधान से माता पार्वती, देवी नंदा या मां दुर्गा की पूजा करना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि, शांति आती है और संतान सुख मिलता

है। जीवन के घनघोर संकटों और शत्रुओं से मुक्ति के लिए इस दिन व्रत रखकर पूजन करने का विशेष महत्व है।

महानंदा नवमी पूजा विधि: ज्योतिषाचार्य पंडित नरेंद्र नागर बताते हैं कि महानंदा नवमी पर सुबह जल्दी स्नान करके साफ वस्त्र पहनें। संभव हो तो लाल वस्त्र धारण करें। मां के विग्रह, मूर्ति या तस्वीर के समक्ष देशी घी का दीप प्रज्वलित करें। व्रत का संकल्प लेते हुए मां का षोडशोपचार पूजन करें। फल, फूल, सिंदूर के साथ नैवेद्य अर्पित करें। कथा सुनें और मां नंदा देवी, पार्वतीजी या दुर्गाजी की स्तुति करें। रात में चंद्रमा के दर्शन के बाद ही व्रत तोड़ें।

महानंदा नवमी का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व: महानंदा नवमी का गहरा धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व है। इस दिन पूजन पाठ से शक्ति और सुरक्षा की देवी, मां नंदा, पार्वती या देवी दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। देवी दुर्गा नकारात्मकता और बुराई के खिलाफ सबसे बड़ी शक्ति हैं। महानंदा नवमी पर आह्वान करने से उनकी दिव्य ऊर्जा से भक्तों को सुरक्षा, खुशी और कष्टों से मुक्ति मिलती है। पौराणिक ग्रंथों में महानंदा नवमी के दिन देवी नंदा की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। धर्म ग्रंथों में उन्हें माता पार्वती का ही एक अन्य स्वरूप कहा गया है। मान्यता है कि देवी नंदा शत्रुहंता हैं। उनकी पूजा करने से शत्रु पराजित होते हैं।

खास- खबर

निकाय चुनाव: बीजेपी-कांग्रेस के बीच वोट का अंतर 1 प्रतिशत से कम

दोनों के लिए चुनौतियां ज्यादा, जश्न कम

इस बार नतीजों में बीजेपी ने 4178, कांग्रेस ने 3612 और निर्दलीयों ने 2273 वार्ड पर जीत दर्ज की

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) राजस्थान के नगर निगम निकायों के लिए हुए चुनाव के नतीजे आ चुके हैं। राजस्थान में 309 नगर निकायों के लिए दो चरणों में ईवीएम के जरिए वोटिंग हुई। अब जो नतीजे आए हैं, उससे कांग्रेस काफी खुश है। अब सवाल यह है कि कांग्रेस के लिए इस चुनाव नतीजे में क्या संकेत छिपे हैं? राजस्थान में नगर निकाय के जो नतीजे आए हैं, उनमें बीजेपी ने 4178, कांग्रेस ने 3612 और निर्दलीयों ने 2273 वार्ड जीते हैं। जबकि 77 पार्षद निर्विरोध चुने गए। मगर इसी को यदि आप वोटों में परिवर्तित करें तो 309 निकायों में बीजेपी को 35.18 फीसदी और कांग्रेस को 34.24 फीसदी वोट मिले हैं। दोनों पार्टियों के बीच 0.94 फीसदी और 99,615 वोटों का अंतर है।

बड़े शहरों में बीजेपी, कुछ क्षेत्रों में कांग्रेस: जयपुर, भीलवाड़ा, कोटा और उदयपुर में बीजेपी जीती है, तो बीकानेर और झालावाड़ में कांग्रेस जीती है। जबकि जोधपुर, भरतपुर, अजमेर और पाली में मुकाबला कांटे का रहा और इन जगहों पर निर्दलीय जिसका साथ देंगे, वहां उसका मेयर बनेगा। वैसे अजमेर और पाली में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है। झालावाड़, जो राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया का गढ़ रहा है, वहां बीजेपी बुरी तरह हारी है। झालावाड़ के 45 वार्डों में कांग्रेस को 29 और बीजेपी को 13 वार्डों में जीत मिली है।

डोटासरा ने बताया कांग्रेस के लिए क्यों खास हैं ये नतीजे: नगर निकाय के इन नतीजों

के बाद राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने एनडीटीवी से बातचीत में कहा है कि, 'स्थानीय निकाय चुनावों में अक्सर वही जीतता है जिसकी सरकार होती है। जब वसुंधरा जी मुख्यमंत्री थीं, तब बीजेपी और कांग्रेस के बीच वोटों का अंतर 8.82 फीसदी था। मगर इस बार यह अंतर 1 फीसदी रह गया है। लोकसभा चुनाव में बीजेपी को 50.14 फीसदी वोट मिले थे, जो विधानसभा में घटकर 41.69 फीसदी हुआ और अब नगर निगम चुनाव में 35.18 फीसदी रह गया है। यानी बीजेपी का वोट प्रतिशत लगातार गिर रहा है।

आरक्षित वार्डों के आंकड़ों का भी दिया हवाला: डोटासरा आगे कहते हैं कि दलित पुरुषों के लिए आरक्षित वार्डों में 542 कांग्रेस जीती है, तो बीजेपी 350 पर रही। यानी 192 वार्डों का अंतर है। वहीं दलित महिलाओं के लिए आरक्षित वार्डों में कांग्रेस ने 261 सीटें जीतीं, तो बीजेपी 186 पर रही। यहां 75 वार्डों का अंतर है। वहीं अनुसूचित जनजाति वार्डों में कांग्रेस ने 53 और बीजेपी ने 39 सीटें जीतीं। इसके बाद जब एनडीटीवी ने डोटासरा से पूछा कि फिर कांग्रेस कैसे हार गई?

परिसीमन और एसआईआर को बताया हार की वजह: डोटासरा का जवाब है कि सरकार ने जो परिसीमन किया, फिर एसआईआर हुआ, जिसमें काफी वोट काटे गए। कहीं एक वार्ड में 40,000 वोट हैं, तो दूसरे में केवल 4,000 वोट हैं। वार्डों का परिसीमन बीजेपी ने अपने फायदे के लिए किया, तब जाकर वह जीते हैं। डोटासरा का कहना है कि नगर निकाय चुनाव के नतीजे बीजेपी सरकार के प्रदर्शन पर जनमत संग्रह हैं और यह सरकार अलोकप्रिय हो रही है। डोटासरा ने एनडीटीवी को बताया कि कांग्रेस ने टिकट बंटवारे में युवाओं को तरजीह दी। 40 साल से कम उम्र के 49 फीसदी उम्मीदवार उतारे गए और यदि 50 साल से कम उम्र की बात करें तो उम्मीदवारों की संख्या 76 फीसदी रही।

सीएम ने कहा- सरकार ने 78प्रतिशत संकल्प पूरे किए: साथ ही सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहरी निकायों तक विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है। सरकार की नीति के अनुरूप 'ग्राम विकास और शहर विकास' के कार्यों को धरातल तक पहुंचाने का काम किया गया है। भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भी जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनने और उनके सुख-दुख में सहभागी बनने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने ढाई वर्ष पहले जो संकल्प लिए थे, उनमें से 78 प्रतिशत संकल्प पूरे किए जा चुके हैं। नगरीय विकास के लिए दिए गए संकल्प पत्र में जनता के हित, विकास, गरीब कल्याण, युवाओं, महिलाओं, वरिष्ठजनों और आमजन से जुड़े जो वादे किए गए हैं, उन्हें भी पूरी प्रतिबद्धता के साथ पूरा किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान की जनता ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई राजनीतिक दल जनता से जुड़कर उनके कार्यों और संवेदनाओं को समझते हुए उनके हर सुख-दुख में सहभागी बन सकता है, तो वह 'भारतीय जनता पार्टी' है। भाजपा का जनसंपर्क मॉडल, आमजन की बात सुनने और उनकी शिकायतों का समाधान करने की कार्यप्रणाली जनता ने स्वीकार की है। उन्होंने कहा कि सरकार के जनसुनवाई और समस्या समाधान के प्रयासों की 84 प्रतिशत सफलता दर भी जनता के विश्वास को मजबूत करती है।

कांग्रेस के लिए आगे क्या संकेत? राजस्थान की राजनीति पर नजर रखने वालों का मानना है कि कांग्रेस को इसी तरह मेहनत करने की जरूरत है और पार्टी को परिसीमन और एसआईआर का पुरजोर मुकाबला करना पड़ेगा। मगर जहां तक राजस्थान की बात है, यदि कांग्रेस में गुटबाजी नहीं हुई तो आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए फिर से सत्ता में आने का एक मौका बन सकता है। राजस्थान की कमान किसे दी जाएगी, इस पर कांग्रेस आलाकमान का फैसला भी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि इसी से राजस्थान में कांग्रेस का भविष्य तय होगा।

डिजिटल स्टार्टअप ऑन-गो-कार्टस्थानीय व्यापार की बनी नई पहचान, छोटे दुकानदारो मिल रहा है व्यापार का बड़ा मंच

लोकल टू ग्लोबल का डिजिटल मंच है ऑन गो कार्ट अब हर छोटा व्यापारी बनेगा बड़ा: विक्रम सिंह कविया

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) गुरुवार को शहरों की सड़कों, बाजारों और गलियों में रोजमर्रा की जरूरतों का सामान उपलब्ध कराने वाले रेहड़ी, ठेला और छोटे दुकानदार अब डिजिटल दुनिया में भी अपनी व्यापार की पहचान बनाने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। छोटे विक्रेताओं लोकल टू ग्लोबल बनाने के उदेश्य से युवा इंजीनियर विक्रम सिंह कविया का डिजिटल प्लेटफॉर्म स्टार्टअप ऑन-गो-कार्टस्थानीय विक्रेताओं को एक अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए निःशुल्क ऑनलाइन मंच उपलब्ध करवा रहा है, जहां उनकी दुकान, ठेला या रेहड़ी की जानकारी ग्राहकों तक सीधे ऑनलाइन पहुंच सके। छोटा ठेला, बड़ी पहचान और चलती-फिरती दुकानों का डिजिटल पता जैसे संदेश के साथ ऑन-गो-कार्टस्थानीय कारोबारियों को डिजिटल रूप से जुड़ने का नवीन अवसर प्रदान कर रहा है। कई छोटे व्यापारी ऑन-गो-कार्ट को अपनाकर व्यापार में सफलता की नई कहानी लिख रहे हैं। जिस तरह ग्राहक पहले बडी दुकानों और ऑनलाइन कारोबार को मोबाइल पर खोजते हैं, उसी तरह आसपास के स्थानीय ठेले और रेहड़ी भी डिजिटल माध्यम से दिखाई देंगी।

युवा इंजीनियर विक्रम सिंह कविया द्वारा विकसित यह डिजिटल स्टार्टअप देश के असंख्य स्थानीय, मध्यम, छोटे विक्रेताओं को व्यापार को नई उड़ान देने के साथ उन्हें व्यापार बढ़ाने के आर्थिक अवसर प्रदान कर रहा है।

फाउंडर इंजीनियर विक्रम सिंह कविया नें बताया कि ऑन-गो-कार्टएप के माध्यम से दुकानदार अपनी दुकान की जानकारी ऑन-गो-कार्टके ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर दर्ज कर उसे ऑनलाइन ला सकते हैं। इसके माध्यम से ग्राहक संबंधित दुकान या ठेले की जानकारी खोज सकेंगे और उसकी लाइव लोकेशन जैसी सुविधा का लाभ उठा सकेंगे प्लेटफॉर्म में स्मार्ट सर्च, प्रोडक्ट एवं कैटेगरी के आधार पर खोज, वेरीफाईड लिस्टिंग और डिजिटल विजिबिलिटी जैसी सुविधाओं को प्रमुखता दी गई है। ऑन-गो-कार्टआसपास मौजूद छोटे स्थानीय विक्रेताओं की जानकारी डिजिटल माध्यम से प्रदान कर फल-सब्जी विक्रेता, जूस की दुकान, चाट-पकौड़ी, कचौरी, चाय, स्नैक्स और अन्य स्थानीय कारोबार करने वाले दुकानदारों के लिए डिजिटल लिस्टिंग उनके व्यवसाय को नई पहुंच देने का माध्यम बन रहा है।

आज के समय में छोटे कारोबार के लिए डिजिटल पहचान आवश्यक है। ऐसे में यदि स्थानीय दुकान या ठेला डिजिटल प्लेटफॉर्म पर मौजूद होगी, तो संभावित ग्राहक तक उसकी पहुंच बढ़ सकती है। ऑन-गो-कार्टस्थानीय कारोबारियों डिजिटल पहचान प्रदान करने के साथ उनके व्यवसाय को केवल सड़क या बाजार की मौजूदा लोकेशन तक सीमित रखने के बजाय ऑनलाइन ग्राहकों के सामने भी प्रस्तुत कर रहा हैं। ऑन-गो-कार्टस्थानीय विक्रेताओं को डिजिटल अर्थव्यवस्था से जोड़ने के साथ उनकी मेहनत, उत्पाद तथा पहचान को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का अवसर प्रदान कर रहा है।

स्थानीय विक्रेता प्ले स्टोर से ऑन-गो-कार्ट ऐप डाउनलोड कर अपनी दुकान की जानकारी दर्ज करके उसे ऑनलाइन प्रदर्शित कर सकते हैं। इसके बाद ग्राहकों को विक्रेता की लाइव स्थान, दुकान की जानकारी और उपलब्ध उत्पादों की जानकारी मोबाइल पर दिखाई जा सकती है। इससे ग्राहक श्रअपने आसपास मौजूद रेहड़ी, ठेले या छोटे विक्रेता को आसानी से खोज सकेंगे और विक्रेता को भी नए ग्राहकों तक पहुंच बनाने का अवसर मिलेगा।

राजस्व मंडल को मजबूत, आधुनिक एवं सशक्त बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्धः मुख्य सचिव

■ आस-पास ब्यूरो

अजमेर/जयपुर। राजस्थान के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि पिछले सात दशक से राजस्व मंडल राजस्थान की न्याय व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राजस्व न्याय व्यवस्था को अधिक प्रभावी, सरल एवं लोकोन्मुख बनाने में बेंच और बार दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के शासन मॉडल मेंराजस्व मंडल का विशेष स्थान है तथा सरकार इसे मजबूत, आधुनिक एवं सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास गुरूवार को अजमेर में राजस्व बार एसोसिएशन सभागार में आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्व कानून एवं राजस्व प्रशासन उनके प्रशासनिक सेवा जीवन के महत्वपूर्ण क्षेत्र रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में उपखंड स्तरीय अदालतें महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। राजस्व अदालतों में अदालती कार्यवाही का समय निश्चित एवं अनुमानित हो, निर्णय समय पर लिखे जाएं तथा जिला कलेक्टरों द्वारा प्रभावी निगरानी की जाए। बोर्ड ऑफ रेवेन्यू का उपखंड अधिकारियों एवं सहायक कलेक्टरों के साथ बेहतर समन्वय होना चाहिए। उन्होंने न्यायालयीन कार्यवाही में अनुशासन एवं समय की पाबंदी पर भी जोर दिया।

मुख्य सचिव ने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण पर जोर देते हुए कहा कि न्याय में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। गरीब एवं कमजोर तबके सहित काश्तकारों के भूमि अधिकारों एवं कब्जे की सुरक्षा सुनिश्चित करना राजस्व न्याय व्यवस्था की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने राजस्व न्याय व्यवस्था में तकनीक के अधिकाधिक उपयोग की आवश्यकता भी बताई। उन्होंने कहा कि राजस्व मंडल के नए भवन हेतु स्वीकृत 150 करोड़ की राशि से भूमि आवंटन एवं भवन निर्माण के संबंध में शीघ्र निर्णय लिया जाएगा। मुख्य सचिव ने भ्रष्ट अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा अनुशासनात्मक कार्यवाही को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

राजस्व मंडल में प्रकरणों की समीक्षा

इससे पूर्व मुख्य सचिव ने राजस्व मंडल का दौरा कर मंडल के सदस्यों से आत्मीय मुलाकात की। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की प्रगति, डबल बेंच एवं सिंगल बेंच में प्रकरणों के निस्तारण, कॉज लिस्ट तथा प्रकरणों की प्राथमिकता के संबंध में जानकारी ली।

उन्होंने प्रकरणों की उचित निगरानी, समयबद्ध निस्तारण एवं न्यायिक अनुशासन के निर्देश दिए। उन्होंने रिपोर्टेबल जजमेंट के संबंध में जानकारी लेते हुए निर्णय लेखन की गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर चर्चा की तथा एसडीओ न्यायालयों में प्रभावी निर्णय लेखन के निर्देश दिए। इस अवसर पर राजस्व मंडल के नए भवन के लिए भूमि आवंटन एवं बजट घोषणा की समयबद्ध पालना पर भी चर्चा हुई।

नए भवन केलिए भूमि आवंटन शीघ्र करने का आग्रह

राजस्व बार एसोसिएशन के अध्यक्ष शंकरलाल जाट ने मुख्य सचिव का अभिनंदन करते हुए राजस्व न्याय व्यवस्था में उनके पूर्व कार्यकाल के नवाचारों की सराहना की। उन्होंने कहा कि राजस्व मंडल राजस्व मामलों में न्याय का महत्वपूर्ण एवं अंतिम मंच है। उन्होंने राजस्व मंडल की वर्तमान भवन व्यवस्था को देखते हुए 30 से 35 बीघा भूमि शीघ्र आवंटित कर नए भवन के निर्माण की कार्रवाई किए जाने का आग्रह किया। साथ ही राजस्व मंडल में रिक्त पदों को भरने तथा एडवोकेट कोटे के पद दो से बढ़ाकर चार किए जाने की मांग भी रखी।

कार्यक्रम में राजस्व मंडल अध्यक्ष अजिताभ शर्मा, प्रमुख शासन सचिव राजस्व विभाग टी. रविकांत, निबंधक महावीर प्रसाद, राजस्व मंडल के सदस्य टीकमचन्द बोहरा, केसरलाल मीणा, अजीत सिंह राजावत, डॉ. शिव प्रसाद सिंह, योगेश शर्मा, सानुज कुलश्रेष्ठ, भवानी सिंह पालावत, राजेन्द्र सिंह कविया, मदन लाल नेहरा, गौरव बजाड़ एवं कमला अलारिया , उप निबंधक सुनीता यादव, उप निबंधक मोहनलाल खटनावलिया सहित राजस्व बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

17 अक्टूबर तक चलेगा स्वैच्छिक रक्तदान अभियान

जिला कलक्टर संदेश नायक ने किशनपोल स्थित सैटेलाइट अस्पताल में किया रक्तदान

मानव हित में सभी से की रक्तदान की अपील

जयपुर।(आस-पास ब्यूरो) राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के उपलक्ष में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों के साथ-साथ विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस की थीम "One Drop of Humanity-Give Blood- Save Lives" रखी गई है। इस दौरान जिला कलक्टर संदेश नायक ने किशनपोल स्थित सैटेलाइट अस्पताल में रक्तदान किया । उन्होंने इस दौरान कहा कि रक्तदान महादान है। इस पुण्य कार्य में आपका योगदान किसी जरूरतमंद को जीवनदान दे सकता है। उन्होंने मानव जाति के हित में सभी से अपील की है कि वे वर्ष में 2 बार अवश्य रक्तदान करें।

उन्होंने बताया कि ब्लॉक एवं जिला स्तर पर जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा अन्य हितधारकों की सहभागिता से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों, उप-जिला अस्पतालों, जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेज सम्बद्ध ब्लड सेंटर एवं अन्य ब्लड सेंटर पर रक्त समूह जांच की सुविधा उपलब्ध कराने तथा नागरिकों को स्वैच्छिक रक्तदाता के रूप में पंजीकरण एवं नियमित रक्तदान के लिए प्रेरित किया जाएगा। राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस 1 अक्टूबर, 2026 को मनाया जाएगा। इस अवसर पर सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों, चिकित्सा संस्थानों तथा ब्लड सेंटरों में उपयुक्त गतिविधियां आयोजित करने तथा विशेष रूप से युवाओं, प्रथम बार रक्तदान करने वाले व्यक्तियों एवं सामुदायिक संगठनों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

इस दौरान संभागीय आयुक्त जयपुर वे. सरवण कुमार, अतिरिक्त जिला कलक्टर जयपुर शहर उत्तर राजेंद्र सिंह, सीएमएचओ डॉ. रवि शेखावत, ऑलम्पियन गोपाल सैनी सहित अन्य चिकित्सक, मेडिकल एवं नर्सिंग स्टॉफ सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जयपुर- ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

जयपुर। जयपुर में रेलवे ट्रैक पर एक युवक का शव पड़ा मिला। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हुई। ट्रेन से टकराने पर वह उछलकर दूर जा गिरा। जीआरपी थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए शव को स्व्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में रखवाया है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

पुलिस ने बताया- जयपुर रेलवे स्टेशन से कुछ दूरी पर शाम करीब 5:30 बजे युवक की लाश पड़ी मिली। शव मिलने की सूचना पर जीआरपी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस की ओर से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में सामने आया कि ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई।

ट्रेन से टकराने पर उछलकर दूर जा गिराः ट्रेन से टक्कर लगने से वह कुछ दूरी पर उछलकर गिरा है। पुलिस ने मृतक की पहचान के प्रयास किए, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव का कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए स्व्स हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी भिजवाया।

मृतक की नहीं हुई पहचानः पुलिस का कहना है- मृतक की उम्र करीब 30 साल है। उसने नीले कलर का हाफ बाजू शर्ट और क्रीम कलर की पेंट पहन रखी है। गले में लाल कलर का धागा पहने हुए है। पुलिस मृतक की पहचान के प्रयास कर रही है।

मिनरल्स सेंपलिंग-विश्लेषण में तेजी, माइंस-जीएसआई-आरएसएमईटी मिलकर करेंगे कामः एसीएस माइंस अरोरा

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। अतिरिक्त मुख्य सचिव माइंस एवं पेट्रोलियम अपर्णा अरोरा ने कहा है कि क्रिटिकल मिनरल्स के एक्सप्लोरेशन और क्वार्टज फेल्सपार के सेंपलिंग व विश्लेषण कार्य में गति लाने के लिए माइंस विभाग आरएसएमईटी और जीएसआई परस्पर सहयोग व समन्वय से कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए जल्दी ही जीएसआई व आरएसएमईटी के बीच करार किया जाएगा। इसी तरह से महत्वपूर्ण खनिजों के दोहन के बाद बचे खनिज मलबे की भी आरएण्डडी करवाने की आवश्यकता प्रतिपादित की ताकि मलबे का वैज्ञानिक निस्तारण या मलबे में भी उपलब्ध खनिजों का पता लगाया जा सके।

एसीएस माइंस अपर्णा अरोरा गुरूवार को सचिवालय के मंथन कक्ष में राज्य में खान विभाग के राजस्व में बढ़ोतरी के लिए भारतीय खान ब्यूरो, जियोलोजिकल सर्वे ऑफ इण्डिया व माइंस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंथन कर रही थी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का

फोकस प्रदेश में उपलब्ध खनिज संपदा का बेहतर दोहन, खनिज खोज कार्य को और अधिक गति देने, अकार्यशील खानों में खनन कार्य शुरु कराने और रोजगार व राजस्व अवसर विकसित करना है। क्वार्टज फेल्सपार को माइनर मिनरल से मेजर मिनरल घोषित करने के बाद की स्थिति पर चर्चा पर उन्होंने क्वार्टज फेल्सपार की सभी शेष लीजों का आईबीएम से समन्वय बनाते हुए 15 दिवस में पंजीकृत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने आईबीएम से क्वार्टज फेल्सपार के सेंपलिंग और विश्लेषण कार्य में तेजी लाने और भारत सरकार के निर्देशानुसार क्वार्टज फेल्सपार ब्लॉकों के प्राथमिकता से जी 3 एक्सप्लोरेशन के निर्देश दिए।

भारतीय खान ब्यूरो उदयपुर के नियंत्रक अभय अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से विस्तार से प्रस्तुति देते हुए बताया कि राजस्थान में माइनिंग सेक्टर में उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। खान ब्यूरो स्तर पर मेजर मिनरल लीज धारकों के माइनिंग प्लान का अनुमोदन प्राथमिकता से किया जा रहा है और केन्द्र सरकार द्वारा भी अब माइनिंग प्लान अनुमोदन की समयसीमा तय करते हुए 30 दिवस का समय निर्धारित कर दिया है।

अग्रवाल ने विस्तार से राजस्थान में मिनरलों के खनन और डिपोजिट्स की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केन्द्र व राज्य सरकार के माइनिंग मंत्रालय में बेहतर तालमेल के साथ ही केन्द्र सरकार की राजस्थान में कार्यरत संस्थाओं और खान निदेशालय के बीच बेहतर समन्वय से राजस्थान में अच्छा कार्य हो रहा है। बैठक में विशिष्ट सचिव माइंस नम्रता वृष्णि, निदेशक माइंस महावीर प्रसाद मीणा व अन्य अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

'माफ कर दो, अब बेटी नहीं रहेगी'

कोटा की दिव्यांशी एशियन गेम्स टीम से हुईं बाहर तो रोते हुए बताया दर्द

कोटा। कोटा की वुशू खिलाड़ी दिव्यांशी को एशियन गेम्स के लिए भारतीय टीम से ऐन वक्त पर बाहर कर दिया गया। भारतीय वुशू फेडरेशन की ओर से जारी लिस्ट में 60 किग्रा वर्ग में दिव्यांशी की जगह मणिपुर की नाओरेम रोशिबिना देवी को शामिल किया गया है। इसके बाद दिव्यांशी ने वीडियो जारी कर फेडरेशन पर आरोप लगाया है। उन्होंने वीडियो में जान देने की बात करते हुए कहा कि मम्मी पापा मुझे माफ कर दो। कभी भी नहीं करना चाहती थी, पर मैं मजबूर हूं।

ट्रायल में पहले नंबर रहीं थीं दिव्यांशीः दिव्यांशी ने वीडियो में आरोप लगाया कि जून में हुए चयन ट्रायल में उसने सेमीफाइनल में रोशिबिना देवी और फाइनल में चंडीगढ़ की मानसी को हराकर पहला स्थान हासिल किया था। जून ट्रायल के बाद उन्होंने स्प्टह टूर्नामेंट में सिल्वर मेडल भी जीता था। इसके बावजूद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उन्होंने श्रीनगर कैंप में मानसिक रूप से प्रताड़ित करने और चोट के बावजूद खेलने की अनुमति नहीं देने के आरोप भी लगाए। दिव्यांशी के मुताबिक, पिछले तीन महीने से वह पटियाला के स्न्ड्ढ सेंटर में तैयारी कर रही थीं और टीम में नाम आने के बाद उन्हें किट भी जारी की जा चुकी थी। लिगामेंट इंजरी के बाद दो डॉक्टरों ने टेपिंग के साथ खेलने की अनुमति दी थी, लेकिन इसके बावजूद उनका चयन नहीं किया गया।

पोर्थ पोजीशन वाले को लेकर जा रहेः वुशू प्लेयर दिव्यांशी ने वीडियो में कहा कि मेरी जगह फोर्थ पोजीशन वाले को लेकर जा रहे हैं। ये बिल्कुल भी फेयर नहीं है। क्यों कर रहे हो आप ऐसा मत करिए और सर जो कोई भी देख रहा है, स्पोर्ट्स मिनिस्टर, प्राइम मिनिस्टर।।। सबसे हाथ जोड़ के मैं आपसे विनती करती हू कि ये एकदम गलत है। डॉक्टर ने लिखा था ना कि वह खेलने में सक्षम है। मंडे को हमें जाना है और आज मेरा नाम कैंसल हो गया। मेरी इंजरी का फायदा उठाया जा रहा है। वहा न ही तो मुझे मेरा पक्ष रखने दिया, न ही तो कुछ और सीधा जाके बोल दिया। कम से कम फेडरेशन तो मुझे बताती। कोटा की दिव्याशी ने आगे वीडियो में मरने की बात करते हुए कहा कि मम्मी-पापा मुझे माफ कर दो। कभी भी नहीं करना चाहती थी। पर मैं मजबूर हूं। आज मुझे ऐसा करना पड़ रहा है। मुझे माफ कर दो। मैं अच्छी बेटी थी, मैं लेकिन बेटी नहीं रहेगी तो मेरा भाई है, उसको सिखाओ और उसको जीताओ और उसके साथ कभी ऐसा मत होने देना। इंडिया वुशू टीम के कोच राजेश टेलर ने कहा कि उन्हें इस मामले की कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है और दस्तावेज सामने आने पर ही कुछ कहा जा सकता है। राजस्थान वुशू संघ के अध्यक्ष हीरानंद कटारिया ने कहा कि दिव्यांशी अच्छी खिलाड़ी हैं और उनका टीम से बाहर होना राजस्थान के लिए दुखद है। यदि कहीं गलत हुआ है तो मामला फेडरेशन के सामने रखा जाएगा।

आईपीएस भानुप्रताप सिंह का पारिवारिक विवाद थाने पहुंचा

रातभर मदद के इंतजार में थाने में बैठी रहीं पत्नी, ससुराल वालों ने नहीं खोला गेट

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। बिहार के खगड़िया में एसपी पद पर तैनात आईपीएस अधिकारी भानुप्रताप सिंह और उनकी पत्नी पूजा के बीच चल रहा पारिवारिक विवाद राजस्थान के भरतपुर के मथुरा गेट थाने तक पहुंच गया। पूजा ने पति और ससुराल पक्ष पर अपनी छह वर्षीय बेटी को उनसे दूर रखने का आरोप लगाते हुए पुलिस से मदद मांगी। बताया गया कि ससुराल और ननद के घर का दरवाजा नहीं खुलने के बाद वह देर रात तक थाने में बैठी रहीं।

पूजा के अनुसार, वह बिहार से भरतपुर पहुंचीं और सबसे पहले गीता कॉलोनी स्थित ससुराल गईं। करीब एक घंटे तक दरवाजा खुलवाने का प्रयास किया, लेकिन किसी ने गेट नहीं खोला। इसके बाद वह विजय

नगर स्थित ननद के घर पहुंचीं, वहां भी दरवाजा नहीं खोला गया। परेशान होकर वह मथुरा गेट थाने पहुंचीं और पुलिस से सहायता मांगी।

पुलिस ने मामले को पारिवारिक विवाद बताते हुए तत्काल कार्रवाई नहीं की। थाने के एसएचओ ने आईपीएस भानुप्रताप सिंह से फोन पर बातचीत भी की। इसके बाद पूजा देर रात तक थाने में ही बैठी रहीं।

पूजा ने पुलिस को बताया कि उनकी मुलाकात भानुप्रताप सिंह से वर्ष 2015 में एक कार्यक्रम के दौरान हुई थी। परिवार की नाराजगी के बावजूद दोनों ने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद पूजा ने करीब पांच साल तक भरतपुर के एक निजी स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम किया। इस दौरान भानुप्रताप सिंह ने यूपीएससी की तैयारी की और चयन के बाद पुलिस सेवा में आए।

पूजा का आरोप है कि अब दोनों के बीच विवाद बढ़ गया है और छह वर्षीय बेटी को लेकर भी खींचतान चल रही है। भानुप्रताप सिंह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि पूजा का मायका झुंझुनूं जिले की उदयपुरवाटी तहसील के तिवारी का वास गांव में है।

राजस्थान से भागकर शादी की तो 2000किमी. दूर बेटी का बेंगलुरु में कराया किडनैप, भागते वक्त कार हादसे का शिकार

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान की रहने वाली 21 साल की युवती पूजा ने कथित तौर पर अपनी मर्जी से शादी की, जिसके बाद उसे परिवार वालों ने ही अगवा कर लिया। पूजा ने परिवार की मर्जी के बिना 23 साल के एक युवक से शादी की थी और इसके बाद कपल बेंगलुरु जाकर रहने लगा था और परिवार के लोग लड़की को अगवा करने यहां पहुंच गए। इस घटना के दौरान बेंगलुरु में एक सड़क हादसा भी हुआ, जिसमें 6 लोग घायल हो गए।

क्या है पूरा मामला?

राजस्थान के मेलवास गांव की रहने वाली पूजा (गुणारामू की बेटी) ने करीब 8-9 महीने पहले शेष राम के बेटे ओम प्रकाश से प्रेम विवाह किया था। बाद में यह कपल बेंगलुरु चला गया और अग्रहारा दासराहल्ली में रहने लगा।

पुलिस के मुताबिक, पूजा का परिवार इस शादी के खिलाफ था और उन्होंने चार लोगों को बेंगलुरु भेजा। आरोपी कथित तौर पर पूजा

को उसके घर से उठाए और हुंडई वेन्यू कार में बैठाकर भाग गए।

कैसे हुआ हादसा?

रात करीब 8 बजे, कार कंट्रोल के बाहर हुई और कई गाड़ियों से टकरा गई। इस हादसे में 6 लोगों के घायल होने की जानकारी मिली है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। घायलों की पहचान पृथ्वीराज (12), यशिका (9), अमूल (35), मणि (64), जयलक्ष्मी (57) और संतोष (33) के तौर पर हुई है। जयलक्ष्मी के सिर में चोट आई है और उन्हें अभी आईसीयू में भर्ती कराया गया है।

आरोपियों की पहचान सद्दाम (जो कथित तौर पर गाड़ी चला रहा था और अभी फरार है) के साथ-साथ राकेश (31), करण (25) और अयान (18) के तौर पर हुई है। ये सभी राजस्थान के रहने वाले हैं। पुलिस ने कार और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। सद्दाम का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं और मामले की आगे की जांच चल रही है।

राजस्थान के खैरथल निकाय में खेल की तैयारी ?

बीजेपी में शामिल हुए कांग्रेस नेता विक्रम चौधरी

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान निकाय चुनाव नतीजों में खैरथल के सियासी दांवपेच एक बार फिर सबको चौंका रहे हैं। खैरथल नगर परिषद की 45 सीटों में बीजेपी 8, कांग्रेस 20 और निर्दलीय 17 सीटों पर जीते हैं। यानी बहुमत किसी को नहीं मिला है। ऐसे में बीजेपी और कांग्रेस दोनों सियासी तिकड़म में लगे हैं। बीजेपी ने बड़ा दांव चलते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम सिंह उर्फ विक्की चौधरी को अपने पाले में मिला लिया है। विक्रम मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की मौजूदगी में बीजेपी की सदस्यता ग्रहण की है।

विक्रम का दावा-11 पार्षद लाएंगे

विक्रम चौधरी ने दावा किया है कि 11 पार्षदों को बीजेपी में

शामिल कराएंगे। विक्की के बीजेपी में शामिल होने के बाद इस नगर परिषद का पूरा समीकरण बदल गया है। अब कांग्रेस और बीजेपी 17 निर्दलीय पार्षदों पर दोनों दलों की नजर है। बोर्ड बनाने के लिए यहां बहुमत का आंकड़ा 23 का है।

सभापति का फॉर्म भी खरीदा

विक्रम चौधरी ने बीजेपी में शामिल होने के बाद रिटर्निंग अधिकारी लालचंद के समाने पार्षद पद और गोपनीयता की शपथ ली है। शपथ के बाद विक्रम ने सभापति पद के नामांकन का फॉर्म भी लिया है। उन्होंने बताया कि वह बुधवार को ही अपना नामांकन दाखिल करेंगे। रिटर्निंग अधिकारी लालचंद के अनुसार, विक्रम चौधरी से पहले सभापति पद के लिए तीन नामांकन फॉर्म लिए जा चुके हैं। इनमें कर्ण चौधरी, ओमप्रकाश रोघा और सर्वेश गुप्ता के नाम हैं।

खैरथल में होगा खेल?

ऐसे में राजस्थान में अगले कुछ दिन काफी अहम रहने वाले हैं। खैरथल के चुनावी नतीजों पर सबकी नजर रहेगी। यहां बीजेपी अपना बोर्ड बनाने के लिए पूरी जोड़तोड़ में जुटी हुई है। अगर विक्रम चौधरी वाला पार्टी का दांव चल जाता है तो ये कांग्रेस के लिए एक बड़ा झटका होगा।

सेवा से संकल्प तक : बदलते भारत की मोदी-यात्रा

(लेखक - डॉ. प्रवीण दाताराम गुगनानी)

एक दशक से अधिक की वह यात्रा, जिसमें शासन का केंद्र समाज और राष्ट्र रहा

17 सितंबर की तिथि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस मात्र नहीं है। यह उस राजनीतिक यात्रा को देखने का अवसर भी है, जिसने पिछले बारह वर्षों में भारत के शासन-विमर्श, विकास-दृष्टि और वैश्विक भूमिका को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। 2014 में प्रारंभ हुई यह यात्रा अब उस पड़ाव पर है, जहाँ उपलब्धियों का उत्सव मनाने के साथ-साथ उनके दीर्घकालीन प्रभावों का मूल्यांकन भी आवश्यक है।

मोदी सरकार के बारह वर्षों को किसी एक योजना, एक निर्णय या एक राजनीतिक नारे से नहीं समझा जा सकता। इसका व्यापक स्वरूप जनकल्याण, जनभागीदारी, आत्मनिर्भरता, डिजिटल सशक्तीकरण, आधारभूत संरचना, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और वैश्विक सक्रियता के सम्मिलित प्रयास के रूप में दिखाई देता है।

सबसे पहले शासन की उस शैली को देखना होगा, जिसने भारत के करोड़ों नागरिकों को औपचारिक अर्थव्यवस्था से जोड़ने का काम किया। जन-धन खाते, आधार और मोबाइल, इस **JAM** की त्रिमूर्ति ने कल्याणकारी योजनाओं के वितरण की संरचना को बदला। मार्च 2026 तक जन-धन खातों की संख्या 57.71 करोड़ और आधार की संख्या 144 करोड़ से अधिक हो चुकी थी। इसी डिजिटल आधार पर प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और डिजिटल भुगतान का व्यापक विस्तार हुआ।

मार्च 2026 में अकेले **UPI** पर लगभग 2,264 करोड़ लेन-देन हुए, जिनका मूल्य ₹29.53 लाख करोड़ से अधिक था। आज भारतीय डिजिटल भुगतान प्रणाली देश की सीमाओं से बाहर भी पहुँच रही है।

उज्ज्वला से स्वच्छ ईंधन, स्वच्छ भारत से शौचालय, जल जीवन मिशन से नल का जल, प्रधानमंत्री आवास से पक्का घर और आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा, इन योजनाओं ने करोड़ों परिवारों को लक्षित किया।

सरकारी आकलनों के अनुसार 2014 के बाद शहरी कचरा प्रसंस्करण 16 प्रतिशत से बढ़कर 2026 में 82 प्रतिशत हुआ और डोर-टू-डोर कचरा संग्रह 43 प्रतिशत से बढ़कर 98 प्रतिशत हुआ।

राष्ट्र निर्माण कार्य को विचारवान नेतृत्व के साथ-साथ सड़क, रेल, बिजली, जल और संचार चाहिए। मोदी सरकार ने पूंजीगत व्यय को विकास की केंद्रीय धुरी बनाया। इस धुरी का परिणाम रहा कि केंद्र का पूंजीगत व्यय 2014-15 के लगभग ₹2 लाख करोड़ से बढ़कर 2026-27 में ₹12.2 लाख करोड़ हो गया।

रेलवे में विद्युतीकरण विकास का प्रमुख उदाहरण है। मार्च 2026 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण हो चुका था। वंदे भारत जैसी रेल सेवाओं ने आधुनिक भारतीय रेल की नई आकांक्षा को प्रतीकात्मक रूप भी दिया है।

ऊर्जा के क्षेत्र में मार्च 2026 तक भारत की कुल स्थापित विद्युत क्षमता 532 **GW** से अधिक हो चुकी थी, जबकि नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता 274.69 **GW** तक पहुँच गई। सौर ऊर्जा क्षमता 2014 के 2.82 **GW** से बढ़कर 150.26 **GW** हो गई है।

नरेंद्र मोदी जी की प्रथम अवधारणा रही है - 'आत्मनिर्भर भारत'। इस ओर देखें तो हमें चित्र दिखता है कि भारत का रक्षा उत्पादन 2014-15 के ₹46,429 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹1.78 लाख करोड़ हो गया। रक्षा निर्यात ₹686 करोड़ से बढ़कर ₹38,424 करोड़ हो गया और भारतीय रक्षा उत्पाद 80 से अधिक देशों तक पहुँच रहे हैं। 'सक्षम भारत' का यह सर्वाधिक ज्वलंत उदाहरण है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल निर्माण, सेमीकंडक्टर, स्टार्टअप और अंतरिक्ष क्षेत्र में भी इसी दृष्टि का विस्तार हुआ है। प्रधानमंत्री जी ने अगस्त 2026 में अपने संबोधन में पिछले बारह वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में लगभग सात गुना और मोबाइल फोन उत्पादन में 35 गुना वृद्धि का उल्लेख किया।

1 जुलाई 2017 को जीएसटी का लागू होना भारतीय कर-व्यवस्था के इतिहास का बड़ा परिवर्तन था। अनेक अप्रत्यक्ष करों को एक साझा ढाँचे में लाने का यह प्रयास आर्थिक एकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम था। जीएसटी की युक्तियुक्तकरण की यात्रा अभी जारी है।

मोदी काल को केवल आर्थिक और प्रशासनिक परिवर्तनों से समझना अधूरा होगा। इस काल में सांस्कृतिक विरासत और राष्ट्रीय प्रतीकों को सार्वजनिक विमर्श में नई प्रमुखता मिली। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा, काशी विश्वनाथ धाम का पुनर्विकास, केदारनाथ सहित अनेक तीर्थस्थलों का विकास और भारत से बाहर गई पुरावस्तुओं की वापसी इसी व्यापक सांस्कृतिक विमर्श का हिस्सा है। यह सब औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति के विमर्श का मूर्तिरूप स्वरूप है। 7 रेसकोर्स से लोककल्याण का और राजपथ से कर्तव्य पथ का नामकरण एक बड़ा प्रतीक है।

2014 के बाद भारतीय विदेश नीति में सक्रियता और बहुपक्षीय मंचों पर भारत की भूमिका बढ़ी। 2023 की जी20 अध्यक्षता इसका महत्वपूर्ण उदाहरण बनी। नई दिल्ली घोषणा पर सहमति और अफ्रीकी संघ को जी20 का स्थायी सदस्य बनाए जाने की पहल ने भारत को 'ग्लोबल साउथ' के प्रश्नों को प्रमुखता से उठाने का अवसर दिया।

चंद्रयान-3 की सफलता ने भारत की वैज्ञानिक क्षमता को विश्व के सामने नए स्तर पर स्थापित किया। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुवीय क्षेत्र के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए नया अध्याय खोला। अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी उद्यमों के लिए खोलने और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के प्रयासों ने विज्ञान को नई आर्थिक संभावनाओं से जोड़ने की दिशा में भी कदम बढ़ाया है।

किसी भी लोकतांत्रिक सरकार का मूल्यांकन केवल उसके समर्थकों के उत्साह या विरोधियों की आलोचना से नहीं हो सकता। रोजगार की गुणवत्ता, कृषि की आय, शिक्षा और स्वास्थ्य की गुणवत्ता, सामाजिक समरसता, शहरी जीवन, छोटे उद्यमों की चुनौतियाँ और आर्थिक असमानता जैसे प्रश्न अभी भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

मोदी सरकार की बारह वर्ष की यात्रा को समझने का सबसे उचित तरीका न तो केवल प्रशस्ति है और न केवल आलोचना। यह उस परिवर्तन को पहचानने का प्रयास है, जिसमें राज्य की क्षमता, डिजिटल प्रौद्योगिकी, आधारभूत संरचना, सामाजिक सुरक्षा, राष्ट्रीय सुरक्षा और सांस्कृतिक आत्मविश्वास को एक व्यापक राष्ट्रीय परियोजना से जोड़ने का प्रयास हुआ है।

17 सितंबर को नरेंद्र मोदी का जन्मदिवस है। एक व्यक्ति का जन्मदिवस समय के साथ बीत जाता है, किंतु उसके नेतृत्व में लिए गए निर्णय संस्थाओं, नीतियों और सामाजिक मानस में दीर्घकालीन प्रभाव छोड़ सकते हैं।

मोदी सरकार के बारह वर्षों की सबसे बड़ी कथा शायद यही है कि भारत ने अपने बारे में बोलने की भाषा बदली है, याचक से सहभागी, आयातक से निर्माता, डिजिटल उपभोक्ता से डिजिटल

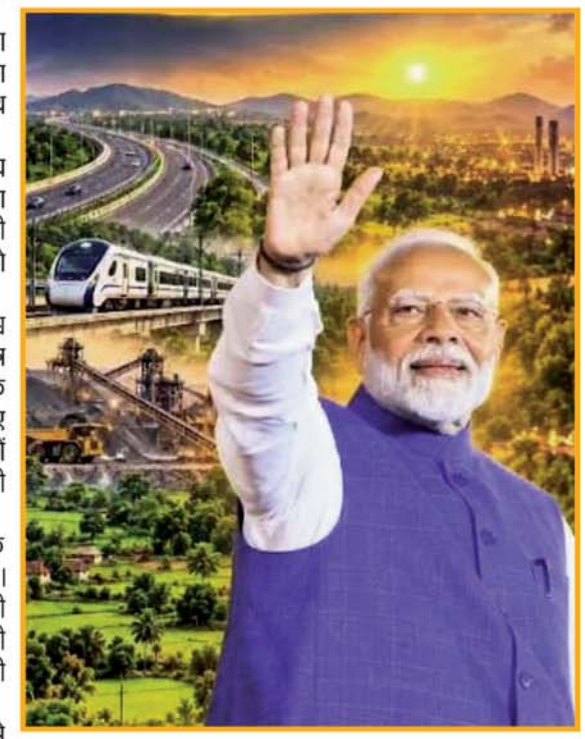

शक्ति और वैश्विक व्यवस्था के दर्शक से सक्रिय भागीदार बनने की आकांक्षा तक।

यह यात्रा अभी पूर्ण नहीं हुई है। 'विकसित भारत' का संकल्प अभी लक्ष्य है, उपलब्धि नहीं। इसलिए आगामी वर्षों की चुनौती यही होगी कि योजनाओं और घोषणाओं की ऊर्जा को रोजगार, उत्पादकता, सामाजिक समरसता, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, वैज्ञानिक नवाचार और प्रत्येक नागरिक के जीवन की वास्तविक समृद्धि में रूपांतरित किया जाए।

जन्मदिवस पर सम्पूर्ण राष्ट्र की ओर से अभिनंदन, आद. प्रधानमंत्री श्रीयुत् नरेंद्र मोदी जी! आप शतजीवीं हों।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

भ्रष्टाचार की शपथ!

हमारे समाज में भ्रष्टाचार का वायरस व्यवस्था की रगों में किस कदर घर कर चुका है उसकी बानगी पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के स्थानीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की हरकत से उजागर हुई। सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल होता दिखा, जिसमें पार्षद राउंड टेबल के चारों ओर खड़े होकर शपथ लेते नजर आए कि वे भ्रष्टाचार की कमाई के बंटवारे में ईमानदारी दिखाएंगे। इस घटना के बाद खासा बवाल मचा कि कैसे भ्रष्टाचार की कमाई के लिए भी बाकायदा सिंडिकेट रूप में काम किया जा रहा है। यह वाकया हमारे समाज में व्यवस्था की सड़न को तो दर्शाता ही है, साथ ही भ्रष्टाचारियों के दुस्साहस को भी सामने लाता है। यह घटना हमारी लोकतंत्र की छोटी इकाई में चुने गए नुमाइंदों के चरित्र, सोच और इरादों को तो दर्शाती है, समाज में जीवन मूल्यों के पराभव के बिंब भी उकेरती है। समाज को यह भी संदेश देती है कि हम छोटे-छोटे लालचों के लिये कैसे पार्षद चुनते हैं। जाति, धर्म व क्षेत्र तथा संकुचित आकांक्षाओं के लिये घटिया प्रतिनिधियों को स्थानीय निकायों में अपने हितों पर कुठाराघात के लिये चुनते हैं। यह तो भविष्य बताएगा कि आने वाले समय में इन पार्षदों के खिलाफ पार्टी विशेष की तरफ से क्या कार्रवाई होती है, लेकिन यह घटना भारतीय समाज में घर करते भ्रष्टाचार की एक दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति को जरूर उजागर कर गयी। जब देश आजाद हुआ तो राजस्थान में एक विधायक ऐसा चुना गया, जिसके पास जयपुर जाकर शपथग्रहण में शामिल होने का बस किराया भी नहीं था। बाद में लोगों ने चंदा एकत्र करके उस विधायक को जयपुर भेजा था। आज हमारी जनप्रतिनिधि संस्थाओं में सैकड़ों करोड़पति-अरबपति जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति समाज में आर्थिक विषमता की तसवीर उकेरती है। गाहे-बगाहे सामने आने वाले आंकड़े बताते हैं कि विधायक व सांसद बनने के बाद उनकी आय दिन दोगुनी-रात चौगुनी गति से बढ़ती है। अगले चुनाव में वे अपनी संपत्ति का जो दिखाई दे सकने वाला ब्योरा जारी करते हैं, उसमें यह समृद्धि स्पष्ट नजर आती है। निस्संदेह हम जानते हैं कि हमारी व्यवस्था में व्याप्त भ्रष्टाचार समाज को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। तमाम अंतर्राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में भ्रष्टाचार की वैश्विक सूची में हमारी स्थिति शर्मसार करने वाली है। लेकिन भ्रष्टाचार को लेकर हमारी उदासीनता दुर्भाग्यपूर्ण है, सरकारों के स्तर पर भी और समाज के भी। बहरहाल, उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर की नगर परिषद के पार्षदों द्वारा हाथ में जल लेकर ऊपरी कमाई को ईमानदारी से बांटने की खबर परेशान करती है। यह घटना सवाल उठाती है कि नगर निगमों की जो बदहाली है उसके मूल में क्या यह निगम की आय की बंदरबांट ही है? सवाल यह भी है कि जिस दल के ये पार्षद हैं उसने क्या ऊपरी कमाई के लिए शपथ मामले में कोई कार्रवाई की? प्रश्न यह भी कि जिला प्रशासन ने इस मामले में कोई कार्रवाई क्यों नहीं की? जैसे कि अक्सर ऐसे मामलों में कार्रवाई करने के बजाय सिर्फ लीपापोती ही होती है, इस मामले में भी ऐसा हुआ है। शीर्ष अधिकारी की दलील थी कि इस संदर्भ में कोई शिकायत दर्ज नहीं हुई है। क्या समाज हित में स्वत- संज्ञान लेते हुए कार्रवाई नहीं की जा सकती? प्रश्न यह भी कि क्या कोई विपक्षी दल का नेता अपने राजनीतिक नफा-नुकसान के लिए मामला दर्ज कराएगा तभी ऐसे मामले में कार्रवाई होगी? बड़ा सवाल इस मामले में समाज की उदासीनता का भी है? यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि समाज में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार ऐसे लोगों के साथ अन्याय होता है जिनका इसमें कोई कसूर नहीं होता। लेकिन उन्हें इसकी कीमत चुकानी पड़ती है।

नरेंद्र मोदी : युगदृष्टा नेतृत्व, सेवा से विकसित भारत तक

(लेखक-/अलोक शर्मा

हम सब देशवासियों का सौभाग्य है कि हमें श्री नरेंद्र मोदी जी के रूप में ऐसा नेतृत्व मिला, जिसने राजनीति को सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि सेवा और राष्ट्र निर्माण का माध्यम बनाया। लोकसेवक के रूप में उनकी 25 वर्षों की यात्रा केवल शासन की यात्रा नहीं है, बल्कि यह सेवा, सुशासन, विकास, जनकल्याण और सामान्य नागरिक के जीवन में आए बदलाव की यात्रा है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुआ यह सफर आज विकसित भारत श्र2047 के संकल्प तक पहुंच चुका है।

इन वर्षों में देश ने अनेक ऐसे परिवर्तन देखे हैं, जिनका प्रभाव समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के जीवन में भी दिखाई देता है। गरीब, किसान, महिला, युवा, मध्यम वर्ग और वंचित परिवारों को केंद्र में रखकर बनाई गई योजनाओं ने विकास को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

कभी गरीब परिवार के लिए पक्का मकान एक सपना हुआ करता था। प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों परिवारों को पक्के घर का सपना पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। घर के साथ शौचालय, स्वच्छता, बिजली, पानी और रसोई जैसी सुविधाओं ने जीवन की गरिमा को बढ़ाया। उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को धुएं से भरी रसोई से राहत दिलाने का काम किया। जनधन योजना ने गरीब और वंचित परिवारों को औपचारिक बैंकिंग व्यवस्था से जोड़ा, वहीं आयुष्मान भारत ने गंभीर बीमारी के समय गरीब परिवारों को उपचार की आर्थिक सुरक्षा का भरोसा दिया।

कोरोना महामारी जैसे कठिन दौर में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया। जरूरतमंद परिवारों के लिए यह केवल राशन नहीं, बल्कि संकट की घड़ी में घर का चूल्हा जलता रहने का भरोसा बना। यह योजना लगातार जारी है। इसी प्रकार किसान सम्मान निधि, मुद्रा योजना, स्वयं सहायता समूहों और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी पहलों ने आर्थिक अवसरों को व्यापक बनाने का प्रयास किया है।

प्रधानमंत्री जी के स्वच्छता के आह्वान ने स्वच्छता को सरकारी कार्यक्रम से आगे बढ़ाकर जनआंदोलन का स्वरूप दिया। भोपाल में भानपुर खंती में करीब 100 वर्षों से जमा कचरे के निष्पादन के बाद वहां हरित क्षेत्र विकसित किया गया। इसी तरह यूनियन कार्बाइड परिसर में गैस त्रासदी की भीषणतम औद्योगिक दुर्घटना के बाद दशकों से पड़े जहरीले कचरे के वैज्ञानिक निष्पादन के लिए केंद्र सरकार द्वारा 126 करोड़ रुपये की राशि मप्र सरकार को उपलब्ध कराई गई। जिससे जहरीले कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निष्पादन किया जा चुका है। यह भोपाल के पर्यावरण और आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रधानमंत्री जी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश में आर्थिक और कर व्यवस्था में भी बड़े बदलाव हुए हैं। जीएसटी ने देश की अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था को एक साझा ढांचे में लाने का प्रयास किया। आयकर व्यवस्था में डिजिटल प्रक्रियाओं, ऑनलाइन सेवाओं और फेसलेस असेसमेंट जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से कर प्रशासन को अधिक तकनीक आधारित और पारदर्शी बनाने पर जोर दिया गया। डिजिटल भुगतान और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना ने भी आम नागरिक के आर्थिक व्यवहार में नई सुविधाएं जोड़ी हैं।

भोपाल के विकास की बात करें तो प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सहयोग से शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर को नई गति मिली है। राजा भोज सेतु और रानी कमलापति ब्रिज जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स ने शहर की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने में भूमिका निभाई है। रानी कमलापति रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण, भोपाल मेट्रो, सड़कों और अन्य आधारभूत परियोजनाओं का विस्तार राजधानी को आधुनिक सुविधाओं से जोड़ रहा है। भोपाल के विकास की यह यात्रा आने वाले वर्षों में और व्यापक होने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता ने भी दुनिया का ध्यान आकर्षित किया है। चंद्रयान-3 की सफलता ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भारत की क्षमता को नई पहचान दी है। रेलवे विद्युतीकरण, वंदे भारत जैसी आधुनिक रेल सेवाओं, एक्सप्रेसवे, मेट्रो, हवाई अड्डों और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार ने देश की कनेक्टिविटी को नई गति दी है। क्षेत्रीय हवाई संपर्क बढ़ाने के प्रयासों से छोटे शहरों को भी देश के बड़े शहरों से जोड़ने की दिशा में काम हुआ है।

राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई हुई है, नक्सलवाद देश से खत्म हो चुका है। सीमावर्ती क्षेत्रों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और रक्षा क्षमता के विस्तार पर जोर दिया गया है। अनुच्छेद 370 के प्रावधानों में बदलाव, तीन तलाक के खिलाफ कानून और नारी शक्ति वंदन अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण निर्णय भी इसी अवधि में हुए हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 25 वर्षों की लोकसेवा यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि उन्होंने सेवा को शासन की कार्यसंस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया। गरीब कल्याण से लेकर महिला सशक्तिकरण, किसान हित, युवा अवसर, डिजिटल भारत, स्वच्छता, आधारभूत संरचना और आत्मनिर्भरता तक, विकास की अनेक धाराओं को एक साथ आगे बढ़ाने का प्रयास हुआ है।

इसी 25 वर्षों की सेवा यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने और सेवा के संकल्प को सामाजिक भागीदारी से जोड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जा रहा है। 'जन सेवा ही देशभक्ति' की भावना के साथ 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक 'आशीर्वाद का दीया', चित्रकला, भाषण एवं रंगोली प्रतियोगिताएं, कलश यात्रा, 'सेवा ज्योति' मशाल पदयात्रा, 'सेवा मेरा योगदान' और 'सेवा सेतु' जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

यह अभियान केवल 25 वर्षों की उपलब्धियों का स्मरण करने का अवसर नहीं है, बल्कि यह सेवा से संकल्प और संकल्प से विकसित भारत की यात्रा को आगे बढ़ाने का अवसर है।

हमारा लक्ष्य है कि विकास और जनकल्याण की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, हर नागरिक को सम्मान और अवसर मिले और देश का प्रत्येक नागरिक विकसित भारत श्र2047 के निर्माण में अपना योगदान दे।

सेवा की यह यात्रा निरंतर जारी रहे—यही संकल्प है, यही विकसित भारत की दिशा है।

लेखक — आलोक शर्मा, सांसद, भोपाल

प्रधानता आत्मा को

मनुष्य सामान्यत- जो बाह्य में देखता, सुनता, समझता है वह यथार्थ ज्ञान नहीं होता। किन्तु भ्रमवश उसी को यथार्थ ज्ञान मान लेता है। अवास्तविक ज्ञान को ही ज्ञान समझकर और उसके अनुसार अपने कार्य करने केकारण मनुष्य अपने मूल उद्देश्य सुख-शान्ति की दिशा में अग्रसर न होकर विपरीत दिशा में चल पड़ता है। यथार्थ ज्ञान की अनुभावक मनुष्य की अंतरात्मा ही है। शुद्ध, बुद्ध एवं स्वयं चेतन होने से उसको अज्ञान का अंधकार कभी नहीं व्यापसकता। परमात्मा का अंश होने से वह उसी तरह सत्, चित् एवं आनंद है, जिस प्रकार परमात्मा के समीप असत्य की उपस्थिति संभव नहीं है उसी प्रकार उसके अंश आत्मा में भी असत्य का प्रवेश सम्भव नहीं। मनुष्य की अंतरात्मा जो कुछ देखती, सुनती और समझती है, वही सत्य और यथार्थ ज्ञान है। अंतरात्मा से अनुशासित मनुष्य ही सत्य के दर्शन तथा यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि कर सकता है। यथार्थ ज्ञान की उपलब्धि हो जाने पर मनुष्य के सारे शोक-संतापों का स्वत- समाधान हो जाता है। अंतरात्मा की बात सुनना और मानना ही उसका अनुशासन है। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है, किन्तु उसकी वाणी सूक्ष्मातिसूक्ष्म होती है, जिसे बाह्य एवं स्थूल श्रवणों से नहीं सुना जा सकता। मनुष्य की अन्तरात्मा बोलती है किन्तु मौन विचार स्फुरण की भाषा में, जिसे मनुष्य अपनी कोलाहलपूर्ण मानसिक स्थिति में नहीं सुन सकता। अन्तरात्मा की वाणी सुनने के लिए जरूरी है मनुष्य का मानसिक कोलाहल बन्द हो।

अन्तरात्मा का सान्निध्य मनुष्य को उसकी आवाज सुनने योग्य बना देता है। यों मनुष्य की अन्तरात्मा उसमें ओतप्रोत है, पर उसका सच्चा सान्निध्य पाने के लिए उसे जानना आवश्यक है। परिचयहीन निकटता भी एक दूरी होती है। रेलयात्रा में कन्धे से कन्धा मिलाये बैठे दो आदमी अपरिचित होने के कारण समीप होने पर भी एक-दूसरे से दूर होते हैं। अजनबी छोड़िए, जिन्दगी भर एक दूसरे केसाथ रहने पर भी आन्तरिक परिचय के अभाव में कई लोग एक-दूसरे से दूर ही रहते हैं। अन्तरात्मा जानने का एक ही उपाय है कि उसके विषय में सदा जिज्ञासु तथा सचेत रहा जाए। जो जिसके विषय में जितना अधिक जिज्ञासु एवं सचेत रहता है, वह उसकेविषय में उतनी ही गहरी खोज करता है और निश्चय ही उसे पा लेता है। आत्मा के विषय में अधिक से अधिकजिज्ञासु एवं सचेत रहिए। अपनी आत्मा से परिचित होंगे, उसकी वाणी सुनेंगे, सच्चा मार्ग निर्देशन पाएंगे, तो अज्ञान से मुक्त हों यथार्थ सुख-शान्ति के अधिकारी बनेंगे।

(पर्यूषण पर्व पर विशेष) झुको और झोली भरो। (उत्तम मार्दव)

(लेखक- मुनि विशोक सागर)

मान-नरक का द्वार है, अहंकार पतन का कारण है जबकि नम्रता-विनय उत्थान का कारण है। अहंकार व्यक्ति को कठोर बनाता है जबकि नम्रता मुलायम बनाती है, अहंकारी व्यक्ति दुनिया को झुकाना चाहता है स्वयं झुकना नहीं चाहता, जो दुनिया को तो झुकाना चाहता है स्वयं नहीं झुकना चाहता वह अभिमानी है और अभिमान के विसर्जन से ही जीवन में धर्म का सूत्रपात होता है। अहंकार को मिटा देना ही बनने और बढ़ने का मार्ग है। जब तक अहंकार नहीं मिटाओगे तब तक जीवन नहीं बन सकता। झुकने की कला आ जाना ही समर्पण का प्रथम सूत्र है। जिसके पास नम्रता है उसके पास सम्पूर्ण शक्तियाँ हैं, जिसके पास नम्रता, प्रेम, वात्सल्य नहीं उससे बड़ी शक्तियाँ भी टूट जाती हैं। चाहे गरीब हो, चाहे अमीर हो, राजा हो या रंक सभी को मृत्यु बेला में लकड़ियों पर आकर जलना पड़ता है। सभी को श्मसान भूमि मरघट पर जलना पड़ेगा। फिर अहंकार के शिखर पर क्यों चढ़ना चाहते हो। दौलत का अर्थ है, जो दो लातें लगाकर तुम्हें गिरा दे वह है दौलत का अभिमान। तुम्हें ..... मैं को गिरा देना है। नम्रता का अर्थ सिर्फ बाहर से झुकना नहीं अपितु अंदर एवं बाहर दोनों ओर से नम्रभाव आ जाना ही वास्तविक नम्रता है। अहंकार में कभी भी परमात्मा की प्राप्ति संभव नहीं अहंकार खोकर ही परमात्मा को पाया जा सकता है। आराध्य या पूज्य पुरुषों के प्रति झुकोगे तभी तुम धर्म से भर पाओगे बाल्टी जब झुकती है तभी जल से भरती है। आचार्य कार्तिकेय स्वामी जी कहते हैं- उत्तम पाण-पहाणो, उत्तम तवचरण करण सीलो वि, अप्पाणं जो हीलदि सदृदेव-स्थयं हवे तस्स। उत्तम ज्ञान में भी प्रमुख प्रधान है, वह है उत्तम मार्दव धर्म। उत्तम ज्ञानियों में श्रेष्ठ है, वह है उत्तम मार्दवधारी, उत्तमशील धारियों में भी श्रेष्ठ है—उत्तम मार्दव वाला, तपस्या में भी प्रधान है इन तीनों से श्रेष्ठ उत्तम मार्दव धर्म है। मृदुभावः मार्दवः मृदु स्वभाव अर्थात कोमल परिणाम तथा नम्र भाव का नाम है—मार्दव, जब तक अभिमान है, तब तक तपश्चरण या साधना की उपलब्धि संभव नहीं। अभिमान व्यक्ति के पतन का कारण है। आत्मा को धूमिल एवं अपवित्र करने वाला है। मार्दव आत्मा का स्वभाव है जहाँ से विनम्रता, नम्रता, लालचीपन स्वतः ही आ जाता है। वहाँ से मार्दव का प्रादुर्भाव होता है। मान एक कषाय है जो आत्मा को गंदा करता है। मान में दो शब्द मा का अर्थ है = मार्ग एवं न का अर्थ है = नरक, जो मार्ग नरक का हो वह है मान। मान ही तो नरक का द्वार है, मान व्यक्ति को झुकने नहीं देता अपितु दुनिया को झुकाना चाहता है। झुकने की कला जब तक नहीं आयेगी तब तक परमात्मा की प्राप्ति नहीं हो सकती। समर्पण का प्रथम पाठ है - झुकना सिर्फ बाहर से ही नहीं अंदर से भी। झुकना बाहर के झुकने में भी अभिमान छिपा रहता है। एक व्यक्ति घोषणा करता है कि हम अपने नाम की पटिया नहीं लगवायेंगे किन्तु सभा में घोषणा वीडियो, फोटो आदि की चाहना है। आज का व्यक्ति धार्मिक कार्यों में भी अहंकार नहीं छोड़ता। मंदिर या धर्मस्थान में अभिमान-पोषण चाहता है। यह कितनी बड़ी अज्ञानता है। यह तो पाप की पुष्टि करना है। आराध्य या गुरुओं के चरणों में अपने जीवन को अर्पण कर दो। झुके बिना आप भर नहीं सकते। बर्तन को नल के नीचे आना पड़ेगा तभी वह पानी से भर सकता है। धन-दौलत के नशे में, व्यक्ति अहंकार की ऊँचाइयों में उड़ान-भरने लगता है। दौलत का अर्थ है - जो दो लातें मारकर तुम्हें ज़मीन की धूल चटा दे। दौलत का अहंकार तुम्हें नरक में ले जायेगा। इसलिए कभी भी अहंकार तुम्हें मिट्टी में मिला देगा। जिस शरीर को तुम सुन्दर कहकर अहंकार करते हो वह भी अग्नि में स्वाहा हो जायेगा। इसलिए कभी भी अहंकार नहीं करना। जीवन में नम्रता लाओ। नम्रता तुम्हें तार देगी, संसार से पार लगा देगी। नम्रता से उपलब्धि है तो अहंकार से दुर्गति है। राम और रावण का प्रसिद्ध दृष्टान्त है - एक लाख पुत्र सवा लाख नाती जिसके घर से दिया न बाती, यह मात्र अहंकार का परिणाम है। आज विद्वान, विद्वान को नीचा दिखाना चाहता है, एक दूसरे को सदा नीचा दिखाने हेतु प्रयत्नशील रहते हैं, क्योंकि मेरी ही प्रतिष्ठा सम्मान-ख्याति हो अन्य की नहीं। पुरानी दीवार को तोड़ नई तैयार करो, अहंकार की दीवार तोड़कर नम्रता के दीवाल तैयार करो - मिटना पड़ेगा तभी बनोगे, फिर से नयी बुनियाद को भरना पड़ेगा, तभी बनोगे। जन्म से तो अहंकार रूपी नाग पाल रखा है। उसे छोड़ना होगा तभी तुम्हें मुक्ति रूपी मंज़िल की प्राप्ति होगी। नो पैन नो गैन, बिना कष्ट के मुक्ति नहीं। बिना कष्टों के उपलब्धियाँ सम्भव नहीं। बनने के लिए मिटना होगा। बूँद जब मिटती है तो सागर बन जाया करती है। मिट्टी जब मिटती है तो गागर बन जाया करती है। समर्पण ही मानव को भगवान बना देता है।

वास्तुशास्त्र

स्नानगृह और शौचालय एक साथ होना ठीक नहीं

आज कल घरों में बाथरूम और टॉयलेट एक साथ होना आम बात है लेकिन वास्तुशास्त्र के नियम के अनुसार इससे घर में वास्तुदोष उत्पन्न होता है। इस दोष के कारण घर में रहने वालों को कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पति-पत्नी एवं परिवार के अन्य सदस्यों के बीच अक्सर मनमुटाव एवं वाद-विवाद की स्थिति बनी रहती है।

वास्तु शास्त्र के प्रमुख ग्रंथ विश्वकर्मा प्रकाश में बताया गया है कि 'पूर्वम स्नान मंदिरम' अर्थात भवन के पूर्व दिशा में स्नानगृह होना चाहिए। शौचालय की दिशा के विषय में विश्वकर्मा कहते हैं 'या नैऋत्य मध्ये पुरीष त्याग मंदिरम' अर्थात दक्षिण और नैऋत्य (दक्षिण-पश्चिम) दिशा के मध्य में पुरीष यानी मल त्याग का स्थान होना चाहिए। बाथरूम और टॉयलेट एक दिशा में होने पर वास्तु का यह नियम भंग होता है।

वास्तुशास्त्र के अनुसार स्नानगृह में चंद्रमा का वास है तथा शौचालय में राहू का। यदि किसी घर में स्नानगृह और शौचालय एक साथ हैं तो चंद्रमा और राहू एक साथ होने से चंद्रमा को राहू से ग्रहण लग जाता है, जिससे चंद्रमा दोषपूर्ण हो जाता है। चंद्रमा के दूषित होते ही कई प्रकार के दोष उत्पन्न होने लगते हैं। चंद्रमा मन और जल का कारक है और राहु विष का। इस युति से जल विष युक्त हो जाता है। जिसका प्रभाव पहले तो व्यक्ति के मन पर पड़ता है और दूसरा उसके शरीर पर।

शास्त्रों में चन्द्रमा को सोम अर्थात अमृत कहा गया है और राहु का विष। अमृत और विष एक साथ होना उसी प्रकार है जैसे अग्नि और जल। दोनों ही विपरीत तत्व हैं। इसलिए बाथरूम और टॉयलेट एक साथ होने पर परिवार में अलगाव होता है। लोगों में सहनशीलता की कमी आती है। मन में एक दूसरे के प्रति द्वेष की भावना बढ़ती है।

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं।

मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से।

अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है।

उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

शिव के अर्द्धनारीश्वर स्वरूप में छिपा है सृष्टि का रहस्य

भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की अर्द्धनारीश्वर तस्वीर आपने जरूर देखी होगी। शिव पार्वती के अन्य स्वरूपों से यह स्वरूप बहुत ही खास है। इस स्वरूप में संसार के विकास की कहानी छुपी है। शिव पुराण, नारद पुराण सहित दूसरे अन्य पुराण भी कहते हैं कि अगर शिव और माता पार्वती इस स्वरूप को धारण नहीं करते तो सृष्टि आज भी विरान रहती।

अर्द्धनारीश्वर स्वरूप के विषय में जो कथा पुराणों में दी गयी है उसके अनुसार ब्रह्मा जी ने सृष्टि रचना का कार्य समाप्त किया तब उन्होंने देखा कि जैसी सृष्टि उन्होंने बनायी उसमें विकास की गति नहीं है। जितने पशु-पक्षी, मनुष्य और कीट-पतंग की रचना उन्होंने की है उनकी संख्या में वृद्धि नहीं हो रही है। इसे देखकर ब्रह्मा जी चिंतित हुए। अपनी चिंता लिये ब्रह्मा जी भगवान विष्णु के पास पहुंचे। विष्णु जी ने ब्रह्मा से कहा कि आप शिव जी की आराधना करें वही कोई उपाय बताएंगे और आपकी चिंता का निदान करेंगे।

ब्रह्मा जी ने शिव जी की तपस्या शुरू की इससे शिव जी प्रकट हुए और मैथुनी सृष्टि की रचना का आदेश दिया। ब्रह्मा जी ने शिव जी से पूछा कि मैथुन सृष्टि कैसी होगी, कृपया यह भी बताएं। ब्रह्मा जी को मैथुनी सृष्टि का रहस्य समझाने के लिए शिव जी ने अपने शरीर के आधे भाग को नारी रूप में प्रकट कर दिया।

इसके बाद नर और नारी भाग अलग हो गये। ब्रह्मा जी नारी को प्रकट करने में असमर्थ थे इसलिए ब्रह्मा जी की प्रार्थना पर शिवा यानी शिव के नारी स्वरूप ने अपने रूप से एक अन्य नारी की रचना की और ब्रह्मा जी को सौंप दिया। इसके बाद अर्द्धनारीश्वर स्वरूप एक होकर पुन: पूर्ण शिव के रूप में प्रकट हो गया। इसके बाद मैथुनी सृष्टि से संसार का विकास तेजी से होने लगा। शिव के नारी स्वरूप ने कालांतर में हिमालय की पुत्री पार्वती रूप में जन्म लेकर शिव से मिलन किया।

रंक को राजा बना सकता है जादूई रत्न नीलम

जिस तरह नवग्रहों में शनि शक्तिशाली और लम्बे समय तक असर दिखाने वाला ग्रह है उसी प्रकार शनि का रत्न नीलम भी चमत्कारी है। नीलम के विषय में माना जाता है कि इसमें बनाने और बिगाड़ने दोनों ही तरह की शक्ति मौजूद होती है। धारण करने वाले के लिए नीलम शुभ हो जाए तो रंक से राजा बना देता है और अगर यह अशुभ प्रभाव देने लगे तो राजा को रंक बनाने में भी इसे देर नहीं लगती है।

नीलम लकी है या नहीं जानने की विधि

नीलम का प्रभाव बहुत से तेजी से होता है। यह लगभग 24 घंटे में ही असर दिखाना शुरू कर देता है। नीलम की इन्हीं शक्तियों के कारण ज्योतिषशास्त्री सलाह देते हैं कि नीलम धारण करने से पहले इसकी जांच जरूर कर लें कि, यह आपके लिए लकी है या नहीं। इसके लिए सामान्य सी विधि यह है कि नीलम को तकिये के नीचे रखें। सोते समय बुरे सपने नहीं आएं, स्वास्थ्य सामान्य रहे और चेहरे में कोई बदलाव नहीं हो तब नीलम को पंचधातु, लोहा अथवा सोने की अंगूठी में जड़वाकर धारण करें। अगर इनमें से कोई भी परेशानी आती है तब नीलम पहनने की भूल नहीं करनी चाहिए।?

असली नीलम की पहचान

रत्न विक्रेता विनीश पटेल बताते हैं कि नीलम 35 रूपये प्रति कैरट से लेकर 50 हजार रूपये प्रति कैरेट तक का होता है। अगर व्यक्ति को नीलम पहचानने की थोड़ी सी समझ हो तो रत्न की खरीदारी में ठगे जाने की संभावना कम रहती है। अच्छी क्वालिटी के नीलम को अगर दूध में डाल दिया जाए तो दूध का रंग नीला दिखता है।

पानी से भरे कांच के गिलास में नीलम को रखें तो पानी के ऊपर नीली किरण दिखाई देगी। असली नीलम चमकीला और चिकना होता है। मोर के पंख के समान इसका रंग नीला होता है। यह पूरी तरह से पारदर्शी होता है इसके ऊपर रोशनी डालने पर नीली आभा छिटकती है।?

नीलम धारण करने का नियम

एक व्यस्क व्यक्ति को 5, 7, 9 अथवा 12 रत्ती का नीलम धारण करना चाहिए। इसे धारण करने से पहले शनि 'मंत्र ओम् प्रां प्रीं प्रौं स: शनिश्चराय नम:' मंत्र का जितना अधिक संभव हो जप करना चाहिए। कम से 11,000 बार मंत्र जप जरूर करें। नीलम धारण करने के लिए शुभ नक्षत्र पुष्य, उत्तराभाद्रपद, चित्र, स्वाति, धनिष्ठा और शतभिषा है।

शुभ कार्यों में नारियल का होना जरूरी

जब भी आप घर में कोई विशेष पूजा का आयोजन अथवा शुभ कार्य का अनुष्ठान करते हैं तो उसमें नारियल जरूर होता है। पण्डित जी की खास हिदायत होती है कि एक पानी वाला नारियल पूजा में जरूर रखें। इसका कारण यह है कि कोई भी पूजा और अनुष्ठान बिना गणेश और लक्ष्मी के आशीर्वाद के बिना संपन्न नहीं हो सकता। गणेश की मौजूदगी के लिए पूजा में सुपारी रखा जाता है तो लक्ष्मी की कृपा के लिए नरियल। ऐसी मान्यता है कि पूजा में नारियल और सुपारी रखने से बिना किसी विघ्न के कार्य संपन्न होता है।

ज्योतिषशास्त्र में नारियल पूजनीय

नारियल ऊपर से सख्त आवरण से ढका होता है। इसलिए बाहरी प्रदूषण का इस पर असर नहीं होता है। यह अंदर से निर्मल और पवित्र रहता है। इसके अंदर जल भरा होता है। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सफेद और जल वाले स्थान पर चन्द्रमा का वास रहता है। चन्द्रमा मन का कारक ग्रह है। किसी कार्य में सफलता के लिए मन का शांत होना जरूरी है। वास्तुशास्त्र के अनुसार जलीय जीवों एवं जल युक्त वस्तुओं से वास्तु दोष दूर होता है। इन कारणों से शुभ कार्यों में नारियल कलश पर रखकर इसकी पूजा की जाती है।

नारियल में मौजूद औषधीय गुण

जीवन में सबसे महत्वपूर्ण है स्वास्थ्य। नारियल को पूजा में शामिल करने का एक बड़ा कारण यह भी हो सकता है कि नारियल में स्वास्थ्य से संबंधित कई समस्याओं को दूर करने की क्षमता है। हमारे ऋषि मुनियों ने इसी तथ्य को समझाने के लिए नारियल को पूजानीय फल के रूप में प्रतिष्ठित किया होगा।

नारियल में दूध से अधिक पौष्टिक तत्व मौजूद हैं। बच्चे को दूध नहीं पच रहा हो तो नारियल का पानी दिया जा सकता है। यह सुपाच्य होता है। इसके नियमित सेवन से रूप निखरता है तथा मन निर्मल होता है। झाईयां एवं चेचक के दाग मिटाने में इसका पानी बहुत ही कारगर होता है। इसका उपयोग मिठाइयां बनाने में तथा विभन्न प्रकार के व्यंजनों में भी होता है। अपने इन गुणों के कारण भी नारियल पूजनीय है।

जल और बेलपत्र से महादेव की पूजा का रहस्य

भगवान शिव को औढ़र दानी कहते हैं। शिव का यह नाम इसलिए है क्योंकि यह जब देने पर आते हैं तो भक्त जो भी मांग ले बिना हिचक दे देते हैं। इसलिए सकाम भावना से पूजा-पाठ करने वाले लोगों को भगवान शिव अति प्रिय हैं। भगवान विष्णु को प्रसन्न करना कठिन भी है और इनसे वरदान प्राप्त करना उससे भी कठिन क्योंकि, यह बहुत ही सोच-समझकर वरदान देते हैं।

भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए कठिन तपस्या और भोग सामग्री की भी जरूरत होती है जबकि शिव जी थोड़ी सी भक्ति और बेलपत्र एवं जल से भी खुश हो जाते हैं। यही कारण है कि भक्तगण जल और बेलपत्र से शिवलिंग की पूजा करते हैं। शिव जी को ये दोनों चीजें क्यों पसंद हैं इसका उत्तर पुराणों में दिया गया है।

सागर मंथन के समय जब हालाहल नाम का विष निकलने लग तब विष के प्रभाव से सभी देवता एवं जीव-जंतु व्याकुल होने लगे। ऐसे समय में भगवान शिव ने विष को अपनी अंजुली में लेकर पी लिया। विष के प्रभाव से स्वयं को बचाने के लिए शिव जी ने इसे अपनी कंठ में रख लिया इससे शिव जी का कंठ नीला पड़ गया और शिव जी नीलकंठ कहलाने लगे।

लेकिन विष के प्रभाव से शिव जी का मस्तिष्क गर्म हो गया। ऐसे समय में देवताओं ने शिव जी के मस्तिष्क पर जल उड़लेना शुरू किया जिससे मस्तिष्क की गर्मी कम हुई। बेल के पत्तों की तासीर भी ठंढ़ी होती है इसलिए शिव जी को बेलपत्र भी चढ़ाया गया। इसी समय से शिव जी की पूजा जल और बेलपत्र से शुरू हो गयी।

बेलपत्र और जल से शिव जी का मस्तिष्क शीतल रहता और उन्हें शांति मिलती है। इसलिए बेलपत्र और जल से पूजा करने वाले पर शिव जी प्रसन्न होते हैं। शिवरात्रि की कथा में प्रसंग है कि, शिवरात्रि की रात में एक भील शाम हो जाने की वजह से घर नहीं जा सका। उस रात उसे बेल के वृक्ष पर रात बितानी पड़ी। नींद आने से वृक्ष से गिर न जाए इसलिए रात भर बेल के पत्तों को तोड़कर नीचे फेंकता रहा। संयोगवश बेल के वृक्ष के नीचे शिवलिंग था। बेल के पत्ते शिवलिंग पर गिरने से शिव जी प्रसन्न हो गये। शिव जी भील के सामने प्रकट हुए और परिवार सहित भील को मुक्ति का वरदान दिया।

प्रदेश निकाय चुनाव रिजल्ट के बाद भाजपा-कांग्रेस के बीच पार्षदों की छीना-झपटी, खैरथल-अजमेर में तो खुली जंग

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में निकाय चुनाव के नतीजे आने के साथ ही अब बोर्ड बनाने की जंग तेज हो गई है। जिन निकायों में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिला, वहां बीजेपी और कांग्रेस के बीच पार्षदों को अपने खेमे में लाने की छीना झपटी शुरू हो गई हैं। सबसे ज्यादा नजर निर्दलीय पार्षदों पर है। कई जगह एक-एक पार्षद का समर्थन बोर्ड का पूरा गणित बदल सकता है। अजमेर, पाली, जोधपुर और अलवर के साथ खैरथल में भी यही स्थिति है। इन निकायों में किसी एक पार्टी के पास अपने दम पर बहुमत नहीं है। ऐसे में दोनों दल पार्षदों से संपर्क साध रहे हैं। बीकानेर में कांग्रेस को बहुमत मिलने के बाद भी बीजेपी ने बोर्ड बनाने की कवायद छोड़ी नहीं है।

बीजेपी चल रही है दांव

बीजेपी किस स्तर पर बोर्ड बनाने की कोशिश कर रही है खैरथल नगर परिषद इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनकर सामने आया है। 45 वार्डों में कांग्रेस ने 20 सीटें जीती थीं। बीजेपी को 8 और निर्दलीयों को 17 सीटें मिली थीं। बहुमत के लिए 23 पार्षद चाहिए थे। यानी कांग्रेस बहुमत से सिर्फ तीन सीट दूर थी। लेकिन कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विक्रम सिंह उर्फ विक्की चौधरी 11 पार्षदों के बीजेपी के साथ लाने के दावे के साथ भगवा दल में शामिल हो गए हैं। विक्रम सिंह ने केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर बीजेपी की सदस्यता ली। उनकी तस्वीर भी सामने आ चुकी है। इस बदलाव के बाद इसके बाद खैरथल का पूरा समीकरण बदल गया। अब 17 निर्दलीय पार्षदों पर दोनों दलों की नजर है। बोर्ड बनाने के लिए बहुमत का आंकड़ा 23 है।

अजमेर में कांग्रेस बहुमत से चार सीट दूर

80 वार्ड वाले अजमेर नगर निगम में कांग्रेस 37 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी है। बीजेपी को 32 और निर्दलीयों को 11 सीटें मिली हैं। बहुमत के लिए 41 पार्षद चाहिए। कांग्रेस को बहुमत के लिए चार पार्षदों की जरूरत है। पार्टी निर्दलीयों के समर्थन से बोर्ड बनाने का दावा कर रही है। बीजेपी के लिए भी निर्दलीय ही संख्या बढ़ाने का सबसे अहम रास्ता हैं। इसके लिए बड़े नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। पुष्कर की बाड़ेबंदी में पूरी रणनीति तैयार की जा रही है।

पाली में भी निर्दलीय पर सबकी नजर

बीजेपी अध्यक्ष मदन राठौड़ के जिले पाली में कांग्रेस को 29, बीजेपी को 21 और निर्दलीयों को 15 सीटें मिली हैं। कुल 65 वार्ड हैं और बहुमत के लिए 34 पार्षद चाहिए। कांग्रेस पांच सीट दूर है। बीजेपी को बहुमत के लिए 13 और पार्षदों की जरूरत होगी। ऐसे में दोनों दलों की नजर 15 निर्दलीयों पर है। बीजेपी चुनौती मुश्किल होने के बाद भी पूरी ताकत झोंके हुई है।

जोधपुर में बीजेपी-कांग्रेस बराबर

100 वार्ड वाले जोधपुर नगर निगम में बीजेपी और कांग्रेस दोनों 44-44 सीटों पर हैं। बाकी 12 सीटों पर निर्दलीय और अन्य उम्मीदवार हैं। बहुमत के लिए 51 पार्षद चाहिए। यहां दोनों दलों को सात-सात पार्षदों के समर्थन की जरूरत है। इसलिए निर्दलीय और अन्य पार्षदों की भूमिका सीधे तौर पर बोर्ड गठन से जुड़ गई है। यहां बोर्ड अशोक गहलोत और केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह के बीच प्रतिष्ठा का सवाल बन गया है।

अलवर में बीजेपी आगे, लेकिन बहुमत नहीं: अलवर में बीजेपी 28 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी है। कांग्रेस को 23 और निर्दलीयों को 13 सीटें मिली हैं। 65 सदस्यीय निगम में बहुमत का आंकड़ा 33 है। बीजेपी को पांच और कांग्रेस को दस पार्षदों के समर्थन की जरूरत है। यहां भी निर्दलीय को अपने पाले में लाने के लिए कांग्रेस बीजेपी हर संभव कोशिश कर रही है।

बीकानेर में कांग्रेस को बहुमत: बीकानेर नगर निगम में कांग्रेस ने 80 में से 42 वार्ड जीतकर बहुमत हासिल कर लिया है। बहुमत का आंकड़ा 41 है। बीजेपी 27 वार्डों में जीती है। 10 सीटों पर निर्दलीय और एक सीट पर आरएलपी प्रत्याशी विजयी रहा है। संख्या के लिहाज से कांग्रेस साफ तौर पर आगे है लेकिन बीजेपी ने मेयर पद की दावेदारी से खुद को पीछे नहीं किया है। पार्टी में श्याम सिंह हाडलां, सुरेंद्र सिंह शेखावत और भगवान सिंह मेड़तिया के नाम चर्चा में हैं। तीनों ने अपने स्तर पर पार्षदों का समर्थन जुटाने का भरोसा पार्टी को दिया है। बीजेपी के सामने सबसे बड़ी चुनौती संख्या की है। उसके 27 पार्षद हैं। अगर सभी 10 निर्दलीय और आरएलपी का एक पार्षद भी बीजेपी के साथ आ जाता है तब भी आंकड़ा 38 तक ही पहुंचेगा। मेयर चुनाव में बहुमत के लिए 41 वोट चाहिए। यानी तीन वोट और जुटाने होंगे। इस लिहाज से कांग्रेस के खेमे में सेंध लगानी होगी।

नागौर का हाल भी जानिए... इसी तरह से नागौर के रियांबड़ी नगर पालिका में कुल 20 पार्षद हैं। बीजेपी के 10, कांग्रेस के 4, आरएलपी के 3 और निर्दलीय 3 पार्षद जीते हैं। बहुमत के लिए 11 पार्षद चाहिए। यानी बीजेपी को बहुमत के लिए सिर्फ एक पार्षद के समर्थन की जरूरत है। इसी बीच कांग्रेस के नवनिर्वाचित पार्षदों की गाड़ी पर हमले का मामला भी सामने आया है। कांग्रेस ने पुलिस से जांच और सुरक्षा की मांग की है। बीजेपी को जिन निकायों में बहुमत नहीं मिला है वहां बोर्ड बनाने के लिए स्थानीय नेताओं, जिलाध्यक्षों, विधायकों और निकाय प्रभारियों को जिम्मेदारी दी है। जरूरत के मुताबिक संभाग और जिलों से वरिष्ठ नेताओं को भी लगाया जा रहा है। केंद्रीय नेतृत्व की ओर से भेजे गए पर्यवेक्षक भी अपनी रिपोर्ट तैयार कर रहे हैं।

कांग्रेस का आरोप, बीजेपी कर रही हॉर्स ट्रेडिंग: बोर्ड बनाने के लिए कांग्रेस हर संभव प्रयास कर रही है। इसका जिम्मा पीसीसी चीफ ने प्रभारी और स्थानीय नेताओं पर छोड़ा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने बीजेपी पर पार्षदों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि अधिकांश जगह निर्दलीय पार्षद कांग्रेस के साथ हैं और पार्टी उनके समर्थन से बोर्ड बनाएगी। लेकिन बीजेपी धन बल का उपयोग कर बोर्ड बनाने की कोशिश कर रही है।

खबरें-फटाफट...

नि:शुल्क नैत्र चिकित्सा शिविर 20 को

डीडवाना। (**आस-पास ब्यूरो**) श्री आदर्श सरस्वती सेवा समिति के तत्वावधान में 20 सितंबर रविवार को निःशुल्क नैत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति मीडिया प्रभारी लोकेश अग्रवाल ने बताया कि श्री आदर्श सरस्वती सेवा समिति डीडवाना के आर्थिक सौजन्य व तत्वावधान में शंकरा आई हॉस्पिटल एवं जिला अंधता निवारण समिति जयपुर के सहयोग से 20 सितंबर रविवार को प्रातः 9 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक दोजराज गणेश मंदिर रोड़ स्थित स्थानीय अग्रसेन भवन में लगातार 50 वें निःशुल्क मोतियाबिंद व नैत्र लेंस प्रत्यारोपण शिविर का आयोजन किया जाएगा। समिति अध्यक्ष नितेश बाजारी व मंत्री बनवारी मोट ने बताया कि शिविर में सभी मरीजों की जांच आधुनिक मशीनों द्वारा होगी एवं आधुनिक तकनीक द्वारा बिना टांके का ऑपरेशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मरीजों को आधार कार्ड की दो फोटोकॉपी साथ में लानी होगी। रोगियों को चश्मा, भोजन एवं रहने की निःशुल्क व्यवस्था रहेगी। शिविर की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी गई।

गणपति नगर क्षेत्र में एक साल से गहराया पेयजल संकट, अलसुबह 4 बजे जलापूर्ति से क्षेत्रवासी परेशान

डीडवाना। (**आस-पास ब्यूरो**) शहर के गणपति नगर और आसपास के इलाकों में पिछले एक साल से पेयजल समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। जलदाय विभाग की अनदेखी और अव्यवस्थित जलापूर्ति के कारण स्थानीय नागरिकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन बार-बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी मूकदर्शक बने हुए हैं। अलसुबह 4 बजे पानी, न कोई सूचना, न स्थायी समाधान क्षेत्रवासियों ने बताया कि जलदाय विभाग द्वारा जल सप्लाई का समय अलसुबह 4 बजे तय किया गया है जिससे लोगों की नींद खराब हो रही है। हद तो तब हो जाती है जब बिना किसी पूर्व सूचना के सप्लाई नहीं दी जाती है। पानी कब आएगा और कब नहीं, इसकी कोई जानकारी विभाग द्वारा नहीं दी जाती है। सप्लाई न आने पर लोग घंटों इंतजार करते रह जाते हैं जिससे उन्हें मानसिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

कई मोहल्ले बूंद-बूंद पानी को तरसे: पेयजल किल्लत का असर किसी एक हिस्से तक सीमित नहीं है। गणपति नगर, गौड़ भवन, जांगिड़ भवन, संतोषी माता मंदिर के पीछे का क्षेत्र, राम नगर और गोकुल धाम सहित आसपास की बड़ी आबादी पिछले एक वर्ष से नियमित जलापूर्ति न होने से परेशान है। दैनिक कार्यों के लिए लोगों को महंगे दामों पर पानी के टैंकर मंगवाने पड़ रहे हैं, जिससे मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ भी बढ़ रहा है।

विभाग की कार्यशैली पर उठे सवाल: स्थानीय निवासियों का कहना है कि जलदाय विभाग के अधिकारियों को कई बार मौखिक रूप से समस्या से अवगत कराया जा चुका है, लेकिन आज तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकाला गया। अधिकारियों की इस बेपरवाही से क्षेत्रवासियों में भारी आक्रोश व्याप्त है। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जलापूर्ति का समय सही नहीं किया गया और नियमित सप्लाई बहाल नहीं हुई तो वे जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। क्षेत्रवासियों ने उच्चाधिकारियों व जनप्रतिनिधियों से समस्या के समाधान की मांग की है।

महर्षि दधीचि जयंती समारोह: साधना, शक्ति और गौ-सेवा के प्रसंगों पर झूमे श्रद्धालु

डीडवाना। (**आस-पास ब्यूरो**) कोलिया दाधीच समाज द्वारा महर्षि दधीचि जयंती के 26वें वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। नैमिषारण्य मिश्रित तीर्थ से पधारे पूज्य कथावाचक के श्रीमुख से महर्षि दधीचि के दिव्य जीवन वृत्त को सुनकर भक्त भावविभोर हो गए। कथा के दौरान डीडवाना दधिमती माता मंदिर ट्रस्ट एवं दाधीच महासभा की ओर से व्यास पीठ का भव्य स्वागत-सत्कार किया गया। दाधीच महासभा के जिलाध्यक्ष तथा दधिमती माता मंदिर ट्रस्ट (डीडवाना) के ट्रस्टी राजेंद्र दाधीच, समाज के वरिष्ठ बंधु सुरेश बोरायड़ा, गिरिराज जोशी एवं विनोद पुजारी ने कथावाचक को शाल, साफा और माला पहनाकर उनका अभिनंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

साधना, शक्ति और गौ-सेवा का दिया संदेश: कथा के दौरान व्यास पीठ से कथावाचक ने महर्षि दधीचि के जीवन में व्याप्त अलौकिक साधना शक्ति और गौ-सेवा के गूढ़ एवं प्रेरणादायी प्रसंग सुनाए। उन्होंने बताया कि महर्षि दधीचि का जीवन परमार्थ, त्याग और सनातन संस्कृति की रक्षा का सर्वोत्कृष्ट उदाहरण है। उनकी साधना शक्ति और गौ-भक्ति आज के समाज के लिए भी मार्गदर्शक है। ?कार्यक्रम में दाधीच समाज सहित स्थानीय धर्मप्रेमी जनता बड़ी संख्या में उपस्थित रही। कथा के समापन पर आरती कर महाप्रसाद का वितरण किया गया।

रानी गांव में गंगाधर महाराज के 61वें पुण्यतिथि महोत्सव का आगाज, अखंड ताल सप्ताह शुरू

डीडवाना। (**आस-पास ब्यूरो**) निकटवर्ती रानी गांव में पूज्य श्री गंगाधर महाराज के 61वें पुण्यतिथि महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को विधि-विधान व महाआरती के साथ श्रद्धा एवं उल्लासपूर्ण माहौल में हुआ। इसके साथ ही गांव में 7 दिवसीय अखंड ताल सप्ताह की भी शुरुआत हो गई है। आयोजन समिति के अनुसार आज से शुरू हुआ अखंड संकीर्तन 23 सितंबर तक अनवरत चलेगा जिसमें दिन-रात भक्तिमय भजनों व ताल की गूंज रहेगी। महोत्सव को लेकर पूरे गांव में भक्ति और उत्सव का माहौल बना हुआ है। महोत्सव के तहत 22 सितंबर को एक शाम संत गंगाधर महाराज के नाम विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसमें प्रसिद्ध भजन गायक प्रकाश माली भजनों की सुमधुर प्रस्तुतियां देंगे। वही 23 सितंबर को संत गंगाधर महाराज का भव्य मेला भरेगा। इस पावन अवसर में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न शहरों से प्रवासी बंधु बड़ी संख्या में गांव पहुंच रहे हैं। मेले के दिन शाम को भव्य आरती व शोभायात्रा निकाली जाएगी जिसके साथ ही इस पावन महोत्सव का विधिवत समापन होगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त ग्रामवासी एवं नवयुवक मंडल के कार्यकर्ता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं।

कांग्रेस चेयरमैन प्रत्याशी बोले- पार्षदों को ले जाने की कोशिश

नागौर। नागौर की कुचेरा नगरपालिका में कांग्रेस के चेयरमैन प्रत्याशी तेजपाल मिर्धा ने अपने निर्वाचित पार्षदों की सुरक्षा को लेकर नागौर एसपी को ज्ञापन सौंपा। मिर्धा ने आरोप लगाया कि शपथ ग्रहण के लिए कुचेरा नगरपालिका पहुंचने के बाद भाजपा से जुड़े कुछ लोगों ने उनके पार्षदों को अपने साथ ले जाने और जान से मारने की कोशिश की। इसके बाद नागौर आते समय उनकी गाड़ियों का पीछा कर टक्कर मारने और हमला करने का प्रयास किया गया।

लोकमंथन यात्रा डीडवाना पहुँची, विद्यार्थियों ने दीं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

डीडवाना। (**आस-पास ब्यूरो**) राष्ट्र की अपनी मूल परंपरा से जोड़ने के उद्देश्य से शुरू हुई जोधपुर प्रांत की लोकमंथन यात्रा डीडवाना पहुँची। शहर में स्थित पंडित बच्छराज व्यास आदर्श विद्या मंदिर में यात्रा के पहुँचने पर सभी अतिथियों का भव्य स्वागत एवं माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए संस्कृत भारती के विभाग संयोजक हरि किशोर सोनी ने बताया कि कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ माँ सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं। इस दौरान कमला सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं ने मधुर संस्कृत गीत प्रस्तुत किया। वही सोनदेवी बांगड़ स्कूल की बालिकाओं ने राजस्थान के पारंपरिक लोक नृत्य एवं लोक गीत की प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इसी प्रकार महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल की बालिकाओं द्वारा उत्कृष्ट लोक नृत्य पेश किया गया। ड्रीम हाई स्कूल के छात्र ऋतुराज सोनी ने ओजस्वी शैली में शिव तांडव स्तोत्र का पाठ कर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। समारोह के दौरान जनपद संयोजक पवन रामावत, प्राचार्या अनुराधा शर्मा, सुशील गौड़, प्राचार्य सुरेश लखारा, एसीबीओ हरवीर सिंह सहित कई गणमान्य नागरिक और शिक्षाविद उपस्थित रहे।

डीडवाना में हर्षोल्लास से मनाया गया श्रीविश्वकर्मा पूजन दिवस महोत्सव

नवनिर्मित लाइब्रेरी का लोकार्पण और छात्रावास का हुआ शुभारम्भ

डीडवाना। (**आस-पास ब्यूरो**) स्थानीय श्री विश्वकर्मा जांगिड़ भवन में गुरुवार को श्री विश्वकर्मा पूजन दिवस महोत्सव अत्यंत हर्षोल्लास और भक्तिमय माहौल में मनाया गया। जांगिड़ समाज के अध्यक्ष बिरदीचंद दनेवा ने बताया कि दो दिवसीय महोत्सव की शुरुआत 16 सितम्बर को सायंकाल 5 बजे हवन पूजन और रात्रि 8 बजे संगीतमय सुंदरकांड पाठ के साथ हुई। इसके पश्चात 17 सितम्बर को प्रातः वैदिक मंत्रोचार के साथ हवन की पूर्णाहुति सम्पन्न की गई। गूलरधाम पीठाधीश्वर संतश्री बजरंग पुरी जी महाराज के पावन सान्निध्य में नवनिर्मित श्री विश्वकर्मा लाइब्रेरी का लोकार्पण एवं श्री विश्वकर्मा छात्रावास का शुभारम्भ किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदम् रुपु ऑफ कम्पनीज के प्रबंध निदेशक धर्मचंद कुलरिया एवं भारतीय राजस्व सेवा के वरिष्ठ अधिकारी डॉ. दिनेश कुमार सारंग रहे। वरिष्ठ प्रबुद्धजन व अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी रामनिवास चँवेल, पीएचईडी के अधिशासी अभियंता नितेश जांगिड़, पाली मारवाड़ के उद्योगपति पुखराज जांगिड़ तथा भामाशाह व अतिरिक्त विकास अधिकारी अगरचंद राजोतिया उपस्थित रहे।

साथ ही जांगिड़ ब्राह्मण महासभा के जिलाध्यक्ष महावीर प्रसाद सीधड़, डीडवाना-कुचामन जिले की समस्त तहसीलों व विश्वकर्मा मंदिरों के अध्यक्षों सहित डीडवाना नगर व जिले भर के समाजबंधु बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में समाज अध्यक्ष बिरदीचंद दनेवा ने पधारे हुए संत-महात्माओं, मुख्य अतिथियों, भामाशाहों एवं समस्त समाजबंधुओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। विशाल भोजन-प्रसादी के साथ भव्य समारोह का समापन हुआ।

जिला स्तरीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता नागौर में 20 से

■ आस-पास ब्यूरो

डीडवाना। जिला बास्केटबॉल संघ के तत्वावधान में 41वीं जिला स्तरीय यूथ (बालक व बालिका) एवं 76वीं सीनियर (पुरुष व महिला) बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 20 व 21 सितंबर को बांगड़ कॉलेज के बास्केटबॉल मैदान पर किया जाएगा। जिला संघ के सचिव अशोक शर्मा ने बताया कि इस प्रतियोगिता में केवल नागौर जिले के मूल निवासी, जिले में अध्ययनरत छात्र-छात्राएं अथवा नागौर में कार्यरत खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए खिलाड़ियों को नागौर का मूल निवासी होने का प्रमाण पत्र, स्कूल/कॉलेज में पढ़ने का प्रमाण पत्र या नौकरी का वैध दस्तावेज प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। यूथ वर्ग के खिलाड़ियों की जन्मतिथि 01 जनवरी 2010 या उसके बाद की होनी चाहिए।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए होगा चयन

संघ के अध्यक्ष एडवोकेट अजीत सिंह राठौड़ ने जानकारी दी कि इस प्रतियोगिता के आधार पर नागौर जिले की यूथ (बालक-बालिका) और सीनियर (पुरुष-महिला) टीमों का चयन किया जाएगा। चयनित यूथ टीम 10 से 12 अक्टूबर 2026 तक बाड़मेर में आयोजित होने वाली 41वीं राय स्तरीय यूथ बास्केटबॉल प्रतियोगिता में नागौर जिले का प्रतिनिधित्व करेगी।

प्रबंध समिति व पंजीकरण: प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए सुरेश मारोठिया को संयोजक तथा एडवोकेट वी. पी. सिंह राठौड़ को सह-संयोजक नियुक्त किया गया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी बालिका एवं महिला वर्ग मुकेश राठौड़ के पास एवंबालक एवं पुरुष वर्ग सुरेश मारोठिया के पास अपना पंजीकरण करा सकते हैं।

चौमूं-कालाडेरा में कांग्रेस की हार ने खड़े किए बड़े सवाल

पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी, गुटबाजी और स्थानीय नेतृत्व के समन्वय पर उठे प्रश्न

■ आस-पास ब्यूरो

चौमूं। नगर परिषद चौमूं और नगरपालिका कालाडेरा के चुनाव परिणामों ने कांग्रेस संगठन के सामने आत्ममंथन की स्थिति पैदा कर दी है। चुनाव नतीजों के बाद पार्टी के भीतर पुराने एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं की कथित उपेक्षा, आपसी गुटबाजी और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय नहीं होने जैसे मुद्दे चर्चा में हैं। अब कांग्रेस के सामने सबसे बड़ी चुनौती आगामी पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद चुनावों से पहले संगठन को मजबूत करने की है। चुनावी चर्चा में सबसे प्रमुख मुद्दा लंबे समय से पार्टी के लिए काम करने वाले पुराने कार्यकर्ताओं की नाराजगी का सामने आ रहा है। स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि कई अनुभवी कार्यकर्ताओं को चुनावी गतिविधियों और प्रचार अभियान में अपेक्षित राजनीतिक महत्व नहीं मिल पाया। कार्यकर्ताओं के बीच बढ़ती दूरी का असर संगठन की जमीनी सक्रियता पर भी पड़ा या नहीं, इसे लेकर पार्टी के भीतर मंथन शुरू हो गया है।

प्रचार पोस्टरों को लेकर भी हुई चर्चा

चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस के कुछ पोस्टरों में पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी की तस्वीर दिखाई नहीं देने को लेकर भी राजनीतिक चर्चाएं तेज रहीं। दशकों से कांग्रेस की राजनीति से जुड़े रहे वरिष्ठ नेता और पुराने कार्यकर्ता प्रचार अभियान में कितना शामिल रहे, इसको लेकर भी सवाल उठाए गए। हालांकि किसी प्रचार पोस्टर में किसी नेता की तस्वीर होना या नहीं होना अपने आप में चुनावी हार का निर्णायक कारण नहीं माना जा सकता, लेकिन स्थानीय राजनीति में इसका संदेश और कार्यकर्ताओं की भावनाओं पर संभावित प्रभाव चर्चा का विषय जरूर रहा।

विधायक के वार्ड में हार बनी चर्चा का विषय

चौमूं विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस के लिए सबसे अधिक चर्चा का विषय विधायक डॉ. शिखा मील बराला के वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी की हार को लेकर रहा। चुनाव परिणामों में विधायक के अपने वार्ड में पार्टी प्रत्याशी के अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने को लेकर राजनीतिक हलकों में तरह-तरह की चर्चाएं सामने आईं। बीजेपी के पक्ष में बने चुनावी माहौल के बीच कांग्रेस के कई प्रत्याशियों को हार का सामना करना पड़ा। वहीं कुछ अनुभवी और स्थानीय स्तर पर प्रभाव रखने वाले नेताओं से जुड़े प्रत्याशियों की हार भी पार्टी के लिए चिंता का विषय बनी।

विधायक के वार्ड में कांग्रेस प्रत्याशी की हार को लेकर अब यह सवाल उठ रहा है कि आखिर पार्टी का संगठन और स्थानीय कार्यकर्ता मतदाताओं तक अपना संदेश प्रभावी तरीके से क्यों नहीं पहुंचा सके। हालांकि किसी एक वार्ड के परिणाम को पूरे विधानसभा क्षेत्र की राजनीतिक स्थिति का अंतिम पैमाना नहीं माना जा सकता, लेकिन पार्टी के लिए यह परिणाम संगठनात्मक समीक्षा का एक महत्वपूर्ण आधार जरूर बन सकता है।

ढाई साल के कार्यकाल पर भी राजनीतिक बहस

वर्तमान विधायक डॉ. शिखा मील बराला के करीब ढाई साल के कार्यकाल को लेकर भी चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक बहस तेज हो गई है। विपक्ष और आलोचक क्षेत्र में विकास कार्यों को लेकर सवाल उठा रहे हैं। दूसरी ओर समर्थकों का तर्क है कि किसी जनप्रतिनिधि के कार्यकाल का मूल्यांकन केवल चुनाव परिणामों के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। विकास कार्यों, क्षेत्रीय जरूरतों और जनता से संपर्क सहित विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रखकर स्थिति का आकलन किया जाना चाहिए।

चुनाव परिणामों के बाद विधायक और कांग्रेस संगठन के सामने कार्यकर्ताओं तथा जनता के बीच संवाद को मजबूत करने की चुनौती है। खासतौर पर जमीनी स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को साथ लेकर चलना आगामी चुनावों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पुराने कार्यकर्ता या नया संगठन?

अब चौमूं की राजनीति में कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि पार्टी आगामी पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में किस रणनीति के साथ मैदान में उतरेगी। क्या संगठन नए चेहरों और नए कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देगा या पुराने एवं अनुभवी कार्यकर्ताओं को फिर से सक्रिय भूमिका देकर संगठन में बनी दूरी को कम करने का प्रयास करेगा? स्थानीय राजनीतिक चर्चाओं के अनुसार, कांग्रेस के लिए आगामी चुनाव संगठनात्मक ताकत परखने का अगला बड़ा अवसर होंगे। यदि पार्टी नेतृत्व समय रहते कार्यकर्ताओं के साथ संवाद बढ़ाता है, वरिष्ठ नेताओं और पुराने कार्यकर्ताओं को उचित सम्मान देता है तथा स्थानीय स्तर पर आपसी समन्वय मजबूत करता है तो संगठन की सक्रियता बढ़ाई जा सकती है। वहीं यदि गुटबाजी, आपसी दूरी और कार्यकर्ताओं की नाराजगी जैसे मुद्दे बने रहते हैं तो आगामी पंचायत समिति और जिला परिषद चुनावों में पार्टी के सामने संगठनात्मक चुनौती बनी रह सकती है। फिलहाल चौमूं और कालाडेरा के परिणामों ने कांग्रेस के भीतर यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि चुनाव दर चुनाव सामने आ रही संगठनात्मक चुनौतियों की गंभीर समीक्षा कब और किस स्तर पर होगी।

पहला कॉलम

सांगानेर के रखवाले सांगाबाबा की विशाल शोभायात्रा निकली

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) सांगानेर के रखवाले सांगाबाबा की गुरुवार को विशाल शोभायात्रा निकली गई। मंदिर से शोभायात्रा के रथ में विराजमान सांगाबाबा एव जगतनाथजी के रथ का पंडित द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर मंदिर पुजारी सत्येंद्र अजमेरा, वार्ड 51 के पार्षद मनमोहन गुर्जर, भाजपा पार्षद प्रत्याशी महेंद्र छीपा और समाजसेवी पीयूष बच्चानी सहित सभी भक्तों ने आरती उतारकर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में इस अवसर पर हाथी घोड़े उठ रथ लवाजमा शोभायात्रा का आकर्षण बने राजस्थान के मशहूर बेंड भजनों की प्रस्तुतियाँ दे रहे थे। इस शोभायात्रा में सेकड़ो महिलाओं ने कलश यात्रा में भाग लिया आगे आगे मदिर के भक्त अपना अपना सांगाबाबा का ध्वज लेकर चल रहे थे। शोभायात्रा सांगा बाबा मंदिर से सीटीएस बस स्टैंड, मुख्य बाजार तिराहापर पूज्य सिंधी पंचायत सांगानेर अध्यक्ष उत्तम चंद बच्चानी एव महासचिव राजेश नाजवानी सहित पदाधिकारियों ने शोभायात्रा का स्वागत किया। जगह जगह पर शोभायात्रा का फूलों से स्वागत हुआ। अनाज मंडी होते हुए नगर निगम रोड पहुंची वहाँ से सांगानेर स्टेडियम होते हुए सांगासेतु पुलिया रोड होते हुए राधावल्लभ मार्ग होते हुये सांगाबाबा महाराज मंदिर पहुंची वहाँ पर सभी ध्वजा का विधिवत पूजा अर्चना एव महाआरती कर पूजन किया इस अवसर पर सेकड़ो महिला पुरुषों ने भाग लिया।

सांगानेर में रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) राजकीय जिला चिकित्सालय सांगानेर में विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सर्व समाज सेवी एव मीडिया प्रभारी पीयूष बच्चानी ने बताया जिसके तहत डायरेक्टर डॉ.नरोत्तम शर्मा ,सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ.मनीष मित्तल, बीसीएमओ डॉ. तरुण तिवारी, एडिशनल डिप्टी कंट्रोलर जितेंद्र मीणा, एवं सांगानेर के गणमान्य सदस्यों ने शिविर का निरीक्षण किया और सकारात्मक भाग लिया। संस्थान के पीएमओ डॉक्टर जेपी साटिवाल, रक्तदान शिविर प्रभारी डॉक्टर नीलम सैनी व सहयोगी टीम (गीतांश चावला, कविता नरूका, मोनिका बंशीवाल, हंसिका मीना व समस्त जिला अस्पताल सांगानेर टीम) जयपुरिया अस्पताल टीम ने रक्तदान शिविर को सफल बनाने के लिए उत्साह पूर्वक कार्य किया। आमजन ने बढ़-चढ़कर शिविर में भाग लिया जिससे इस रक्तदान शिविर में कुल 46 रक्तदाताओं द्वारा ब्लड डोनेशन दिया गया।

इंसानियत-समाजसेवा को समर्पित रहा रेहान का जन्मदिन

जरूरतमंद मरीजों की मदद का संकल्प

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) जन्मदिन पर आमतौर पर युवा केक काटकर और दोस्तों के साथ जश्न मनाकर अपना खास दिन यादगार बनाते हैं, लेकिन पत्रकार बाबू अंसारी के बेटे रेहान अंसारी ने अपने 17वें जन्मदिन को इंसानियत और समाजसेवा के लिए समर्पित कर एक अलग मिसाल पेश की। रेहान अंसारी ने जन्मदिन के अवसर पर रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की मदद का संकल्प लिया। उनका कहना है कि जन्मदिन पर मिलने वाले उपहार कुछ समय के लिए खुशी देते हैं, लेकिन रक्तदान किसी जरूरतमंद की जिंदगी बचाने में मदद कर सकता है। रेहान के इस कदम की परिवारजनों और परिचितों ने सराहना की। परिजनों ने कहा कि कम उम्र में समाज और जरूरतमंद लोगों के प्रति ऐसी संवेदनशील सोच युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। रेहान अंसारी ने युवाओं से भी अपील की कि वे अपने खास मौकों को केवल व्यक्तिगत खुशी तक सीमित न रखें, बल्कि समाजहित में कोई सकारात्मक कार्य कर उसे यादगार बनाएं।

ग्राउंड रिपोर्टः दमकल की 'नो एंट्री' और झूलते तारों का मकड़जाल, सदियों पुराने परकोटे में भगवान भरोसे है सुरक्षा

20 से अधिक दमकल गाड़ियों ने संकरी गलियों में मशक्कत कर पाया आग पर काबू, कोई जनहानि नहीं हुई

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। चारों तरफ बिखरी हुई राख, पानी से तरबतर संकरी गलियां, हवा में तैरती जले हुए कपड़ों की तीखी गंध और आंखों में खौफ लिए खड़े सहमे हुए व्यापारी। यह आज सुबह का मंजर है राजधानी जयपुर के सबसे व्यस्त और ऐतिहासिक कपड़ा बाजार %पुरोहित जी के कटले% का। यहां के तीन मंजिला सेठी कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल से सुबह जब आग की लपटें उठीं, तो सदियों पुराने परकोटे की धड़कनें अचानक थम गईं। त्योहारों के सीजन को देखते हुए दुकानदारों ने हाल ही में लाखों रुपयों का नया रेडीमेड कपड़ा, कॉस्मेटिक और ज्वेलरी का स्टॉक मंगवाया था, जो बिना बिके ही देखते ही देखते राख का ढेर बन गया। इस भीषण अग्निकांड में करीब 15 से 20 दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी हैं।

गलियों के भीतर पाइप ले जाकर बुझाई आग

ऐतिहासिक परकोटे की वो तंग गलियां जहां आम दिनों में पैदल चलना भी दूभर होता है, आज सुबह वहां दमकलकर्मियों ने अपनी जान परवाह किए बगैर आग पर काबू पाया। गलियां अत्यधिक संकरी होने के कारण दमकल की गाड़ियों की सीधे 'नो एंट्री' रही, जिससे गाड़ियां मुख्य सड़क पर ही थमी रह गईं। ऐसे में दमकलकर्मियों और सिविल डिफेंस के जवानों ने सैकड़ों मीटर लंबे पाइपों को गलियों के भीतर खींचकर मोर्चा संभाला। दुकानों के शटर बंद होने की वजह से भीतर धुएं का भारी गुबार भर गया था, जिसे काटने और बंद शटरों को कटर से खोलने में रेस्क्यू टीम को भारी मशक्कत करनी पड़ी। करीब चार घंटे तक प्रभावित दुकानों से धुएं का काला गुबार उठता रहा, जिसने सुरक्षा और बचाव अभियान की चुनौतियों को और अधिक जटिल बना दिया।

तंग गलियों के लिए तैनात 19 फायर बाइक्स

जयपुर के परकोटे में तंग गलियों में आग लगने की छोटी घटनाओं पर काबू पाने के लिए 19 फायर बाइक्स की व्यवस्था की गई है। इनमें एक बाइक पर दो फायर एक्सटिंग्युशर लगे होते हैं। हालांकि, आज आज लगने की घटना में फायर बाइक भी काम नहीं आई। सीएफओ देवेंद्र मीणा का कहना है कि फायर बाइक में दो फ ा य र एक्सटिंग्युशर लगे होते हैं, जो छोटी आग की घटनाओं पर काबू पाने में प्रयुक्त होते हैं। आज पुरोहितजी का कटला में बिल्डिंग की दूसरी मंजिल पर आग लगने की घटना हुई। ऐसे मामलों में बड़ी दमकल ही कारगर साबित होती हैं।

चौकीदार ने वाट्सएप पर दी आग की सूचना

इस पूरे हादसे में सबसे बड़ी राहत की बात यह रही कि यह घटना सुबह करीब 7:30 बजे हुई, जब पूरा बाजार बंद था और कॉम्प्लेक्स में कोई मौजूद नहीं था। चौकीदार विक्रम ने समय रहते दुकानों से धुआं उठता देख दुकानदारों के व्हाट्सएप ग्रुप पर तुरंत मैसेज डाला, जिससे व्यापारी और पुलिस प्रशासन तुरंत अलर्ट हो गए। यदि यह हादसा दोपहर के व्यस्त समय में हुआ होता, तो संकरी गलियों में भीड़ के कारण जयपुर को एक बड़ी घटना का सामना करना पड़ सकता था, फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन परकोटे के ऐतिहासिक बाजारों के ऊपर झूलते बिजली के तार और कॉम्प्लेक्सों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी ने एक बार फिर प्रशासन पर सुलगते सवाल खड़े कर दिए हैं।

माणक चौक थाना पुलिस पहुंची मौके पर

घटना की जानकारी मिलने पर माणक चौक थानाधिकारी राकेश ख्यालिया मौके पर पहुंचे। उनका कहना है कि सेठी कॉम्प्लेक्स की दूसरी मंजिल पर आग लगी थी, जहां कपड़े, रेडीमेड आइटम और कॉस्मेटिक के सामान की दुकानें हैं। दुकानों के आगे बरामदे में रखा सामान भी आग की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि 20 से ज्यादा दमकल की टीमें आग बुझाने में जुटी रहीं। निजी टैंकरों से पानी मंगवाकर भी आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया। फिलहाल नगर निगम और पुलिस प्रशासन की टीमें मौके पर तैनात हैं। हालांकि, सुबह 11:30 बजे के बाद भी दुकानों से धुआं उठता दिखाई दे रहा था।

चौकीदार ने दी जानकारी, दमकल-पुलिस को बुलाया

मौके पर पहुंचे हमारे संवाददाता विकास व्यास ने लोगों से बात की। प्रत्यक्षदर्शी हेमंत खत्री ने बताया कि कटले के दुकानदारों का एक व्हाट्सएप ग्रुप बना हुआ है। उस ग्रुप में सुबह करीब 7:30 बजे चौकीदार का एक मैसेज आया, जिसमें दुकानों में आग लगने की सूचना थी। मैसेज देखते ही वह तत्काल भागकर मौके पर पहुंचे। उस समय आग विकराल रूप ले चुकी थी और दुकानों से उठती आग की लपटें देखकर हर कोई घबरा गया। उन्होंने तुरंत पुलिस और अग्निशमन टीमों को फोन किया। दमकल की टीमों के आने के बाद ही दुकानदारों ने राहत की सांस ली।

दमकल की 20 से ज्यादा गाड़ियां जुटीं आग बुझाने में

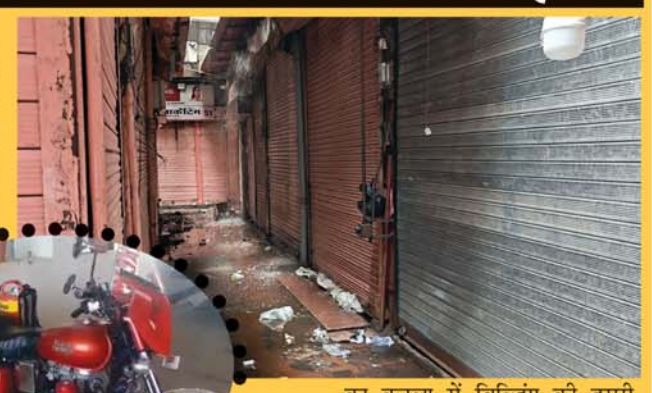

स्थानीय दुकानदार प्रकाश ने बताया कि सेठी कॉम्प्लेक्स में 150 से ज्यादा दुकानें हैं। इस बिल्डिंग में ग्राउंड, फर्स्ट और सेकंड फ्लोर मिलाकर कुल तीन मंजिलें हैं। सेकंड फ्लोर पर स्थित 15-20 दुकानों में आग से भारी नुकसान हुआ है। सुबह जब वे मौके पर पहुंचे, तो आग की भीषण लपटें और धुएं का गुबार उठ रहा था। चौकीदार विक्रम की सूचना पर सभी दुकानदार तुरंत मौके पर एकत्र हो गए। दमकल की टीमों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि, आग को पूरी तरह शांत करने के प्रयास में टीमें अब भी जुटी हुई हैं और 20 से ज्यादा गाड़ियों की मदद से स्थिति को पूरी तरह नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कपड़ों की दुकानों में ज्यादा फैली आग

दुकानदार प्रकाश ने बताया कि जो दुकानें आग की चपेट में आई हैं, उनमें रेडीमेड आइटम, कपड़े, कॉस्मेटिक और ज्वेलरी की दुकानें शामिल हैं। इनमें कपड़ों की दुकानें अधिक होने के कारण आग बहुत तेजी से फैल गई। कॉम्प्लेक्स में फायर फाइटिंग सिस्टम से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि सिस्टम तो लगा है, लेकिन आग इतनी भीषण थी कि सारे इंतजाम धरे के धरे रह गए। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और एक के बाद एक कई दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया। सुबह का समय होने के कारण कॉम्प्लेक्स के भीतर कोई मौजूद नहीं था, जिससे एक बड़ी जनहानि होने से बच गई।

मुख्य सड़क पर खड़ी रहीं दमकल की गाड़ियां, पाइप ले गए भीतर

पुरोहित जी के कटले में तंग गलियों के बीच बहुमंजिला कॉम्प्लेक्स बने हैं, जिनमें सैकड़ों दुकानें संचालित हैं। गलियां बेहद संकरी होने के कारण दमकल की गाड़ियां उस कॉम्प्लेक्स तक सीधे नहीं पहुंच सकीं जहां आग लगी थी। इस वजह से गाड़ियों और पानी के टैंकरों को मुख्य सड़क पर ही खड़ा किया गया और वहां से लंबे पाइप भीतर ले जाकर आग पर पानी की बौछारें की गईं, जिससे लपटों पर काबू पाया जा सका। घटना के काफी देर बाद तक दुकानों से धुएं का गुबार उठता रहा, जो काफी दूर से भी साफ दिखाई दे रहा था।

कटले में ज्यादातर दुकानें बंद रहीं

सेठी कॉम्प्लेक्स में आग लगने की घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने बड़ी चौपड़ से छोटी चौपड़ की ओर जाने वाले रास्ते को बैरिकेड्स लगाकर रोक दिया। कटले के भीतर जाने वाले मुख्य रास्तों पर भी पुलिस बल तैनात रहा। इस हादसे के कारण पुरोहित जी के कटले में दोपहर तक दुकानें नहीं खुल पाईं।

यूपीआई पर शुल्क का नया ढांचा नसीम अंसारी ने सरकार से पूछा,आज एमडीआर, कल क्या?

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) डिजिटल भुगतान की बढ़ती निर्भरता के बीच यूपीआई की शुल्क व्यवस्था को लेकर समाजसेवी मोहम्मद नसीम अंसारी ने केंद्र सरकार से पारदर्शिता की मांग की है। उन्होंने कहा कि यूपीआई ने आम नागरिकों के साथ छोटे दुकानदारों, रेहड़ी-पटरी वालों और छोटे कारोबारियों के लिए भुगतान आसान बनाया है, इसलिए शुल्क व्यवस्था में किसी भी बदलाव की स्पष्ट जानकारी जनता को मिलनी चाहिए। अंसारी ने कहा कि सरकार के अनुसार व्यक्ति-से-व्यक्ति यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं है और निर्धारित छोटे व्यापारी भुगतानों पर जीरो एमडीआर व्यवस्था जारी है, जबकि कुछ व्यापारिक लेनदेन पर एमडीआर लागू है। उनका सवाल है कि भविष्य में इसका अप्रत्यक्ष बोझ कहीं ग्राहकों या छोटे कारोबारियों पर न पड़े। उन्होंने सरकार से शुल्क की सीमा, प्रभावित लेनदेन और भविष्य में संभावित बदलावों को सार्वजनिक करने की मांग की। साथ ही छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक दबाव नहीं डालने की अपील की।

गीतांजली हॉस्पिटल में 28 सप्ताह के गर्भस्थ शिशु को माँ के गर्भ में ही सफलतापूर्वक चढ़ाया गया रक्त

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) गीतांजली हॉस्पिटल, भांकरोटा, जयपुर में डॉक्टरों ने 28 सप्ताह के गर्भस्थ शिशु में गंभीर एनीमिया का सफलतापूर्वक उपचार करते हुए माँ के गर्भ में ही रक्त चढ़ाया। इस प्रक्रिया को इंट्रायूटेराइन ब्लड ट्रांसफ्यूजन कहा जाता है। मरीज को भ्रूण में पानी भरने (हाइड्रॉप्स) के कारण पहले तीन बार गर्भहानि हो चुकी थी। जांच में माँ के शरीर में एंटीडी एंटीबॉडीज का स्तर बहुत अधिक पाया गया, जो शिशु की लाल रक्त कोशिकाओं को नुकसान पहुंचा रही थीं। प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष डॉ. लिला व्यास के मूल्यांकन एवं पर्यवेक्षण में फीटल मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. विदिशा पायल ने अल्ट्रासाउंड और एमसीए

दोपप्लेर जांच से शिशु में गंभीर एनीमिया, हाइड्रॉप्स एवं कार्डियोमेगाली (हृदय का आकार बढ़ना) का पता लगाया। इसके बाद अल्ट्रासाउंड की मदद से शिशु की नाभिनालिका में सफलतापूर्वक डॉ. विदिशा द्वारा रक्त चढ़ाया गया। ट्रांसफ्यूजन से पहले शिशु का हीमोग्लोबिन केवल 3 ग्राम /डी एल था, जो प्रक्रिया के बाद बढ़कर 12.5 ग्राम /डी एल हो गया। आईयूटी बिना किसी जटिलता के सफल रहा और शिशु की स्थिति में सुधार देखा गया। इस प्रक्रिया में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. ममता कुमारी चौधरी का महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

शिशु के लिए आवश्यक विशेष रक्त - ओ नेगेटिव , इरराडीएटेड , स्ढ़ह्ढ्रश्च४ह्ढ्र –स्ृद्गश्चह्यद्गह्लद्गस्र ष्टश्चठ्ठष्द्गठ्ठह्लह्लड्डह्लद्गस्र क्चद्यश्चश्चस्र, ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग द्वारा तैयार किया गया। इसमें असिस्टेंट प्रोफेसर एवं इंचार्ज डॉ. अक्षय जैन तथा टेक्नीशियन श्री नवल शर्मा एवं श्री कौशल चौधरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा। माँ और शिशु की आगे नियमित प्रसूति एवं फीटल मेडिसिन निगरानी आवश्यक रहेगी।

19 सितम्बर बोरावड़-मकराना से निकलेंगी खाटूश्यामजी पैदल यात्रा

जयपुर। (आस-पास ब्यूरो) श्री श्याम मित्र मंडल बोरावड़ मकराना के तत्वावधान में बोरावड़-मकराना से खाटू श्यामजी की 30वीं पैदल यात्रा 19 सितम्बर शनिवार को दोपहर सवा दो बजे बोरावड़ स्वर्णकार मौहल्ला स्थित श्री श्याम मन्दिर में ध्वजा पूजन कर रवाना होगी। यात्रा संघ के प्रवक्ता गोपाल सैनी ने बताया कि खाटूश्याम बाबा की 30वीं पैदल यात्रा श्रीश्याम मंदिर में सामुहिक ध्वजा पूजन कर अपनी तय धवल पोशाक में पीतांबर धारण कर गाजे बाजे के साथ पीली पताकाएं फहराते हुए नाचते गाते श्रृद्धालु जय श्री श्याम का जयकारा लगाते हुए रवाना होंगे। श्री श्याम पैदल यात्रा का श्याम मंदिर से रवाना होकर सदर बाजार, व्यास चौक, नया बाजार, बोरावड़-मकराना रोड़, बाईपास रोड पर भव्य स्वागत किया जायेगा। इसके बाद पद यात्रा मकराना बाईपास रोड होते हुए गौशाला मंगलाना में रात्रि विश्राम करेंगी। 20 सितंबर रविवार को सुबह मंगलाना गौशाला से रवाना होकर कांसेडा स्कूल में दोपहर का विश्राम कर मारोठ स्थित भैरुजी मंदिर में रात्रि विश्राम करेंगे। 21 सितंबर सोमवार को सुबह भैरुजी मंदिर से प्रस्थान कर श्यामगढ़ स्थित राजकीय स्कूल में दोपहर का विश्राम कर रामगढ़ स्थित टैगोर कालेज में रात्रि विश्राम करेंगे। 22 सितंबर मंगलवार को टैगोर कालेज से रवाना होकर दोपहर में शेखावाटी स्थित बॉय कालेज में विश्राम कर खाटूश्यामजी में स्थित सीकर धर्मशाला के पास पार्किंग में रात्रि विश्राम करेंगे। 23 सितंबर की सुबह श्रीश्याम बाबा के ध्वज एवं भोग-प्रसाद चढ़ाकर सामुहिक प्रसाद ग्रहण कर मकराना बोरावड़ के लिए प्रस्थान करेंगे।

नशामुक्त भारत अभियान के रूप में मनाया श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय का 14 वां स्थापना दिवस

नशामुक्त समाज के लिए सभी को मिलकर कार्य करने का आह्वान, नशा विवेक से अविवेक की ओर ले जाता है, जीवन का नाश करता हैः बागड़े

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि नशा विवेक से अविवेक की ओर ले जाता है। यह व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही नुकसान नहीं पहुंचाता बल्कि जीवन को नाश की ओर ले जाता है, इसलिए इससे बचने और सभी को बचाने का हम सभी मिलकर प्रयास करें। उन्होंने विश्वविद्यालय स्थापना दिवस को युवा शक्ति के विकास केंद्रित करते हुए कृषि क्षेत्र में विश्वविद्यालय को अग्रणी बनाने का आह्वान किया है।

राज्यपाल गुरुवार को जोबनेर स्थित श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस और नशामुक्त भारत अभियान में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन की बधाई देते हुए नशामुक्त समाज के लिए सभी को मिलकर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने पानी की बचत के लिए उसे सहेजने पर भी जोर दिया। उन्होंने लॉर्ड मैकाले द्वारा गुलामी से जुड़ी शिक्षा के प्रसार और और तत्कालीन विषम परिस्थितियों की भी चर्चा की।

बागडे ने कहा कि उन्होंने लोकभवन में नशामुक्त भारत की विशेष रूप से बैठक ली थी। इसमें यह तय किया गया कि नशामुक्त अभियान सरकारी नहीं, समाज का अपना सामूहिक होना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों में जाना हुआ है। उद्देश्य यह है कि केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की समीक्षा के साथ प्राथमिक से उच्च शिक्षा से जुड़ी वास्तविक स्थिति को जान समझ कर प्रदेश को इसमें अग्रणी किया जाए। राज्यपाल ने कहा कि सभी मिलकर प्रयास करें कि प्राथमिक शिक्षा के आधार को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि एक बड़ा लक्ष्य हम सभी का यह होना चाहिए कि नशामुक्ति और टीबी मुक्त कार्यक्रम में जन जन की भागीदारी तय करना है।

राज्यपाल ने कहा कि देश में सभी क्षेत्रों में तेजी से विकास हो रहा है। प्रधानमंत्री मोदी को विश्व के 37 देशों ने राष्ट्र का सर्वोत्तम पुरस्कार प्रदान किया है। यह हम सभी के लिए गर्व की बात है। उन्होंने सभी लोगों को देश के बारे में, समाज के बारे में विचार करते हुए राष्ट्र का माहौल अच्छा रखने पर जोर दिया। उन्होंने भारत की प्राच्य विधा की चर्चा करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में हमारे प्राचीन गौरव से जुड़ी शिक्षा से नई पीढ़ी को जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

राज्यपाल ने इससे पहले विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित कृषि मौसम पोर्टल का शुभारम्भ किया। उन्होंने वहां नवनिर्मित विश्वविद्यालय सभागार का भी लोकार्पण किया और कृषि से सम्बद्ध पुस्तकों, स्मारिका का भी विमोचन किया। राज्यपाल ने इस दौरान विश्वविद्यालय में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण के आलोक में प्रदर्शित उत्पादों का भी अवलोकन किया और विश्वविद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया। विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. पी. एस. चौहान, पूर्व न्यायाधीश करणी सिंह राठौड़ और डॉ. एन. के. गुप्ता ने भी विचार रखे।

एमयूजे में उत्कृष्टता का सम्मान, 376कर्मचारी सम्मानित क्युएस फाइव स्टार रेटिंग का जश्न

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। एमयूजे ने अपनी उत्कृष्टता की संस्कृति और संस्थागत उपलब्धियों का उत्सव मनाते हुए एक्सीलेंस अवॉर्ड सेरेमनी 2026 का आयोजन किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के समर्पित शिक्षकों, शोधकर्ताओं, गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों एवं सपोर्ट स्टाफ को विश्वविद्यालय के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। यह समारोह एमयूजे के संस्थापक कुलाधिपति एवं पद्म भूषण से सम्मानित डॉ. रामदास एम. पई के 91वें जन्मदिवस के अवसर पर आयोजित किया गया।

समारोह में नौ विभिन्न श्रेणियों में कुल 376 पुरस्कारप्रदान किए गए। इन पुरस्कारों के माध्यम से शैक्षणिक योगदान, शोध उपलब्धियों, व्यावसायिक उत्कृष्टता, दीर्घकालीन सेवाओं तथा विश्वविद्यालय के प्रति असाधारण प्रतिबद्धता के लिए कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इनमें से 123 कर्मचारियों को प्रतिष्ठित डॉ. रामदास एम. पई अवॉर्ड फॉर प्रोफेशनल एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया।

अन्य पुरस्कार श्रेणियों में अकादमिक एक्सीलेंस अवॉर्ड, रिसर्च एक्सीलेंस अवॉर्ड, यंग रिसर्चर अवॉर्ड, यंग टीचर अवॉर्ड, सबसे लंबे समय तक सेवाएं देने वाले कर्मचारियों के लिए स्टैंडिंग ओवेशन अवॉर्ड, की एनेबलर अवॉर्ड, इनक्रेडिबल सर्विस अवॉर्ड तथा रिसर्च ट्रैक फैकल्टी अवॉर्ड शामिल रहे। समारोह में एमयूजे के कुलपतिडॉ. नीति निपुण शर्मा, प्रो-प्रेसिडेंट कमांडर डॉ. अनिल राणा, रजिस्ट्रार डॉ. अमित सोनी, प्रोवोस्ट डॉ. नितु भटनागर, हेड एचआर सुश्री कननजीत कौर, श्रीमतीमंजू शर्मा एवं शिखा राणा सहित विश्वविद्यालय के सभी डीन, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष उपस्थित रहे। उनकी उपस्थिति विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध, प्रशासनिक एवं संचालन संबंधी उत्कृष्टता में निरंतर योगदान देने वाले कर्मचारियों के प्रति सामूहिक सराहना को दर्शाती रही।

नगर निकाय चुनाव री-पोलिंग के नतीजे

जयपुर की चारों सीटों पर कांग्रेस जीती

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव में ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण कराए गए री-पोलिंग के नतीजे गुरुवार को घोषित कर दिए गए। जयपुर नगर निगम के चार वार्डों में हुए पुनर्मतदान में कांग्रेस ने चारों सीटों पर जीत दर्ज की। वहीं कोटा नगर निगम के तीन वार्डों में हुए री-पोलिंग के नतीजों में भाजपा ने दो और कांग्रेस ने एक वार्ड में जीत हासिल की। सुकेत नगर पालिका के वार्ड नंबर-4 में भी कांग्रेस प्रत्याशी विजयी रहे। री-पोलिंग के नतीजे के बाद जयपुर में बीजेपी 78 और कांग्रेस 57 वार्डों पर जीती।

जयपुर में चारों री-पोलिंग सीटें कांग्रेस के खाते में

जयपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 9, 18, 25 और 34 में 16 सितंबर को ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण पुनर्मतदान कराया गया था। गुरुवार को मतगणना के बाद चारों वार्डों के परिणाम घोषित किए गए। वार्ड नंबर 9 से कांग्रेस की कैलाशी देवी विजयी रहीं। वार्ड नंबर 18 से कांग्रेस की वंदिता शर्मा ने

जीत दर्ज की। वार्ड नंबर 25 से रेखा देवी कांग्रेस की विजेता रहीं, जबकि वार्ड नंबर 34 से सुरेश यादव ने जीत हासिल की। इस तरह री-पोलिंग वाले जयपुर के चारों वार्ड कांग्रेस के खाते में चले गए। इन परिणामों के बाद जयपुर नगर निगम के 150 वार्डों में भाजपा के 78 और कांग्रेस के 57 पार्षद हैं। शेष वार्डों में निर्दलीय समेत अन्य प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की है।

दो वार्ड डिप्टी सीएम के क्षेत्र में, दो मंत्री के विधानसभा क्षेत्र में

जयपुर के जिन चार वार्डों में पुनर्मतदान हुआ, उनमें दो वार्ड उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विधानसभा क्षेत्र विद्याधर नगर में आते हैं, जबकि दो वार्ड मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के विधानसभा क्षेत्र झोटवाड़ा में हैं। री-पोलिंग के परिणाम आने के बाद चारों वार्डों पर कांग्रेस प्रत्याशियों की जीत दर्ज हुई।

कोटा में बीजेपी को दो, कांग्रेस को एक वार्ड

कोटा नगर निगम में ईवीएम में तकनीकी खराबी के बाद तीन वार्डों में री-पोलिंग कराई गई थी। गुरुवार को मतगणना के बाद वार्ड नंबर 44 और वार्ड नंबर 87 में भाजपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की। वहीं वार्ड नंबर 11 से कांग्रेस प्रत्याशी विजयी रहा। री-पोलिंग के नतीजे जुड़ने के बाद कोटा नगर निगम के 100 वार्डों में भाजपा के 57, कांग्रेस के 39 और 4 निर्दलीय पार्षद हो गए हैं।

सुकेत के वार्ड-4 में कांग्रेस की जीत

सुकेत नगर पालिका के वार्ड नंबर 4 में भी री-पोलिंग के बाद कांग्रेस प्रत्याशी ने जीत दर्ज की। कांग्रेस प्रत्याशी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 117 वोटों से हराया।

जोधपुर में वार्ड 50 से हेमाराम

जोधपुर नगर निगम के वार्ड नंबर 50 के री-पोलिंग परिणाम में हेमाराम के विजयी रहें।

नतीजों के बाद कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

परिणाम घोषित होने के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने कई स्थानों पर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी मनाई। वहीं कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भी अपने प्रत्याशियों की जीत का जश्न मनाया। बताते चले कि ईवीएम में तकनीकी खराबी के कारण जयपुर, जोधपुर, कोटा और सुकेत के कुछ मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान कराया गया था। इन सीटों के परिणाम घोषित होने के साथ संबंधित निकायों के चुनाव परिणाम भी अपडेट हो गए हैं।

जयपुर में आज 25 से ज्यादा इलाकों में बिजली बंद

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) जयपुर में शुक्रवार (18 सितंबर) को मेंटेनेंस के चलते 25 से ज्यादा इलाकों में बिजली बंद रहेगी। विभाग की ओर से मेंटेनेंस कार्य के लिए अलग-अलग क्षेत्रों में 4 घंटे की बिजली कटौती दो शिफ्टों में की जाएगी। पहली शिफ्ट में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक और दूसरी शिफ्ट में दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक बिजली कटौती होगी। इससे वैशाली नगर और इसके आस-पास के कई इलाके इससे प्रभावित होंगे।

सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक: वैशाली नगर, गौतम मार्ग, आम्रपाली मार्ग, वैशाली मार्ग, राठौर नगर, हनुमान नगर, नेमी सागर, क्रॉस रोड, गांधी पथ, महादेव नगर, रेनबो, जसवंत नगर, वशिष्ठ मार्ग, सिरसी रोड और पुष्पक मार्ग में बिजली सप्लाई बंद रहेगी। इसके अलावा इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी, वैशाली थाना, ब्राइटलैंड स्कूल, नर्सरी सर्किल, झारखंड मंदिर, मेलोडीया, एमईएस और 33/11 केवी जीएसएस वैशाली नगर से सप्लाई प्राप्त करने वाले पूरे क्षेत्र में भी बिजली कटौती रहेगी।

अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने किया राजस्थान संपर्क पोर्टल का औचक निरीक्षण

परिवादियों से संवाद कर जाना उनकी समस्याओं का हाल

जिला रोजगार अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन की परिवेदनाओं के त्वरित व पारदर्शी निस्तारण की दिशा में गुरुवार को कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा ने राजस्थान संपर्क पोर्टल (181) कॉल सेंटर मुख्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अपने विभाग से जुड़े परिवादों के निस्तारण की वस्तुस्थिति जानने के लिए विभागीय डैशबोर्ड का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान वर्मा ने संपर्क पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की प्रकृति, लंबित मामलों की स्थिति और उनके समाधान की गुणवत्ता की बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने स्वयं कई परिवादियों से ऑडियो एवं वीडियो कॉल के माध्यम से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि विभागीय प्रक्रिया के साथ-साथ धरातल पर जाकर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए, जिससे परिवादियों को वास्तविक राहत मिल सके।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने कहा कि सभी जिला रोजगार अधिकारी केवल कार्यालयीन प्रक्रियाओं पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं फील्ड में जाकर परिवादियों से व्यक्तिगत मुलाकात करें, समस्याओं की जड़ तक पहुंचकर उनका गहन अध्ययन करें, जिससे युवाओं व आमजन को एक ही बार में संतोषजनक समाधान प्राप्त हो सके।

वर्मा ने कहा कि युवाओं के रोजगार, कौशल प्रशिक्षण और उद्यमिता से जुड़े हर मामले को पूरी संवेदनशीलता व प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने बताया कि संपर्क पोर्टल पर दर्ज सभी परिवादों के त्वरित व संतुष्टिपरक समाधान की प्रगति जांचने के लिए शीघ्र ही एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की जाएगी, जिससे व्यवस्था और अधिक प्रभावी व जवाबदेह बन सके। निरीक्षण के दौरान विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं आईटी विंग के तकनीकी विशेषज्ञ उपस्थित रहे।

मिशन निदेशक एनएचएम ने किशनपोल चिकित्सालय में रक्तदान शिविर एवं मदर लैब का किया निरीक्षण

रक्तदान करने वालों को प्रमाण पत्र देकर किया सम्मानित

विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर का लिया जायजा

मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना के तहत हब एंड स्पोक मॉडल की व्यवस्थाओं का किया अवलोकन

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) डॉ. जोगाराम ने राजकीय सैटेलाइट किशनपोल चिकित्सालय में आयोजित विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत रक्तदान शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने शिविर में रक्तदान कर रहे लोगों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डॉ. जोगाराम ने रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का उत्कृष्ट माध्यम है। स्वैच्छिक

रक्तदाताओं के योगदान से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में सहायता मिलती है। उन्होंने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वस्थ एवं पात्र व्यक्तियों को नियमित रूप से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करना चाहिए।

मिशन निदेशक ने राजकीय सैटेलाइट किशनपोल चिकित्सालय में संचालित हब एंड स्पोक-मदर लैब का भी निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना के तहत संचालित जांच प्रक्रिया की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने सैंपल कलेक्शन, ऑनलाइन एंट्री, बारकोड सिस्टम, सैंपल प्रोसेसिंग, रिपोर्ट वेरिफिकेशन एवं रिपोर्ट भेजने की प्रक्रिया को देखा और संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली।

डॉ. जोगाराम ने निर्देश दिए कि जांच सेवाओं में गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि तकनीक आधारित बारकोडिंग एवं ऑनलाइन मॉनिटरिंग से जांच प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और विश्वसनीय बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री निःशुल्क जांच योजना के माध्यम से आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मरीजों को समय पर सही जांच रिपोर्ट उपलब्ध हो, इसके लिए सभी स्तरों पर सतत निगरानी सुनिश्चित की जाए। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय प्रशासन, एनएचएम के अधिकारी, चिकित्सक एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

मुहाना पुलिस का डबल अटैक!

5 साल से फरार इनामी दबोचा, आर्म्स एक्ट का वांछित भी चढ़ा हत्थे

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) मुहाना थाना पुलिस ने फरार एवं वांछित अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में एक ही कार्रवाई में दो बड़ी सफलताएं हासिल कीं। पुलिस ने वर्ष 2021 से फरार 2 हजार के इनामी आरोपी को गिरफ्तार करने के साथ ही आर्म्स एक्ट के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहे आरोपी को भी दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, मजनलाल विश्नोई निवासी मण्डवाणियों की ढाणी, भियावाड़ा, भीनमाल-जालोर, अवैध मादक पदार्थ तस्करी के प्रकरण में वर्ष 2021 से फरार था और उस पर 2 हजार का इनाम घोषित था। वहीं राजवीर बलई निवासी 1566 संजय नगर, रामदेव मंदिर के पास, जयपुर, आर्म्स एक्ट के मामले में करीब दो साल से फरार चल रहा था। यह कार्रवाई पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज आईपीएस के निर्देशन में, एडीडीसीपी ललित कुमार शर्मा एवं एसीपी हेमेंद्र शर्मा के सुपरविजन में मुहाना थानाधिकारी मुकेश कुमार खारड़िया के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने की। टीम ने मुखबिर तंत्र और तकनीकी सूचना के आधार पर लगातार निगरानी करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अब गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर रही है। अधिकारियों के अनुसार पूछताछ में अन्य वारदातों और साथियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी सामने आने की संभावना है।

प्रदेश में 500 से अधिक स्कूलों की ऑडिट का दावा

आदिवासी इलाकों में आज से सीजेपी का 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन

■ आस-पास ब्यूरो

जयपुर। प्रदेश में जर्जर स्कूल भवनों और आदिवासी इलाकों में शिक्षा की बदहाल स्थिति को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अब नया अभियान शुरू करने का ऐलान किया है। पार्टी की ओर से देश भर में चलाए गए 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन के बाद अब 18 सितंबर यानी आज शुक्रवार से प्रदेश के आदिवासी इलाकों में भी 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन की शुरुआत की जाएगी।

कॉकरोच जनता पार्टी के सहसंयोजक आशुतोष रांका ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि देशभर में 'स्कूल ठीक करो' कैंपेन के बाद अब हमने आदिवासी इलाकों की सुध लेने का फैसला किया है। इस अभियान के जरिए आदिवासी इलाकों के स्कूलों की स्थिति में सुधार के लिए होने वाले निवेश की निगरानी भी की जाएगी। साथ ही स्कूल भवनों की सुरक्षा और विद्यार्थियों की सुविधाओं में किसी तरह की लापरवाही सामने आने पर उसे प्रमुखता से उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कई आदिवासी क्षेत्रों में

बच्चे आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत हो चुकी है। झालावाड़ में भी 25 जुलाई 2025 को स्कूल की छत गिरने से सात आदिवासी बच्चों की मौत हो गई थी। आदिवासी इलाकों में आज भी कई स्कूल जर्जर भवनों में संचालित होने की जानकारी सामने आ रही है। उन्होंने दावा किया कि कुछ स्कूलों भवनों को बंद किए जाने के बाद बच्चों को टेंट अथवा खुले स्थान पर पढ़ाया जा रहा है।

आदिवासी बच्चों के सपने भी बाकी बच्चों जैसे: कॉकरोच जनता पार्टी के दीपक बालियां ने कहा कि संगठन की टीम प्रदेश के सभी आदिवासी क्षेत्रों में जाएगी। आदिवासी बच्चों के सपने भी देश के दूसरे बच्चों की तरह हैं, उनके माता-पिता भी अपने बच्चों के बेहतर भविष्य की उम्मीद रखते हैं। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान स्कूलों और गांवों में जाकर स्थानीय लोगों से बातचीत की जाएगी। सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज सुविधाओं और स्कूलों में वास्तव में उपलब्ध सुविधाओं के बीच अंतर की भी पड़ताल की जाएगी।

बालियां ने बताया कि इसके बाद सरकार से मांग की जाएगी कि आदिवासी बच्चों को समान शिक्षा का अधिकार मिले और उन्हें भी स्कूलों में जरूरी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाए। यदि मांगों पर ध्यान नहीं गया तो फिर आने वाले समय में देश भर में कॉकरोच जनता पार्टी इस मुद्दे को लेकर आंदोलन खड़ा करेगी। प्रदेश के स्कूलों की स्थिति को लेकर आशुतोष रांका ने कहा कि हमने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से अच्छे स्कूलों की जानकारी मांगी थी, ताकि कॉकरोच जनता पार्टी वहां जाकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर सके, लेकिन उन्हें आज तक स्कूलों की सूची उपलब्ध नहीं कराई गई है। संगठन ऐसे स्कूलों को भी देखना चाहता है, जहां विद्यार्थियों के लिए बेहतर खेल और अन्य सुविधाएं मौजूद हों, लेकिन शिक्षा मंत्री इस मामले में संवाद करने को तैयार नहीं हैं।

देशभर के 15 हजार से अधिक स्कूलों की ऑडिट: वहीं, आशुतोष रांका का कहना है कि 15 अगस्त को पूरे देश में स्कूल ठीक करो कैंपेन शुरू किया गया था। जिसके तहत 15 हजार से ज्यादा स्कूलों की ऑडिट की जा चुकी है। कॉकरोच जनता पार्टी के वॉलिंटियर्स, अभिभावकों और अन्य लोगों ने स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने दावा किया है कि अभियान के बाद कई राज्यों में जर्जर स्कूल भवनों को लेकर सरकारों की ओर से कार्रवाई शुरू की गई है। अभियान के तहत राजस्थान के भी 500 से अधिक स्कूलों की ऑडिट किया गया है। अभियान के दौरान कुछ स्कूलों की स्थिति को संगठन ने प्राथमिकता से उठाया था, जिसके बाद राजस्थान सरकार ने जर्जर स्कूलों के भवनों को दुरुस्त करने के लिए अगले 3 साल के लिए 12,500 करोड़ रुपए का रोडमैप जारी किया है।

आशीर्वाद के दीए जलाने का भी ऐलान: वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन को लेकर रांका ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक स्कूलों और कॉलेजों में आशीर्वाद के दीए जलाने का कार्यक्रम आयोजित किया जए रहे हैं। कॉकरोच जनता पार्टी भी इस कार्यक्रम में दीए जलाएगी।

खबरें-फटाफट...

स्पीकर ने पीएम को जन्मदिवस पर दी बधाई एवं शुभकामनाएँ

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जन्मदिवस के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की मंगलकामना करते हुए कहा कि उनका जीवन राष्ट्र के प्रति समर्पण, कर्तव्यनिष्ठा और निरंतर कर्मशीलता की प्रेरक यात्रा है। देवनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सेवा और संकल्प की जिस कार्यसंस्कृति को आगे बढ़ाया है, वह देश के लोकतांत्रिक जीवन में अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। उनके नेतृत्व में भारत ने विकास की व्यापक आकांक्षाओं को नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ाते हुए विज्ञान, प्रौद्योगिकी, नवाचार, डिजिटल प्रगति, आधारभूत संरचना और आत्मनिर्भरता जैसे क्षेत्रों में अपनी क्षमताओं का विस्तार किया है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत की विकास यात्रा की वास्तविक शक्ति उसकी युवा प्रतिभा, उद्यमशीलता, ज्ञान-परंपरा और लोकतांत्रिक मूल्यों में निहित है। आज देश अपनी हजारों वर्ष पुरानी सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक भारत की आकांक्षाओं के समन्वय के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका और अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी सुदृढ़ होती प्रतिष्ठा देशवासियों के लिए गौरव का विषय है।

विकसित भारत-जनसेवा अभियान के तहत रक्तदान शिविर का आयोजन

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, गायत्री राठौड़ ने गुरुवार को जयपुर के राजकीय जयपुरिया अस्पताल में विकसित भारत-जनसेवा अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने शिविर में रक्तदान कर रहे लोगों से बातचीत कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी ली। इस अवसर पर राठौड़ ने 35वीं बार रक्तदान करने वाले अरविंद कुमार से विशेष रूप से बातचीत की। उन्होंने अरविंद कुमार के नियमित रक्तदान के संकल्प की सराहना करते हुए कहा कि रक्तदान मानव सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि नियमित रक्तदाताओं की सहभागिता से जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराने में मदद मिलती है।

राठौड़ ने शिविर में रक्तदान करने वाले लोगों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि स्वैच्छिक रक्तदान समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानव सेवा की भावना का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना, प्रसव, गंभीर बीमारियों, ऑपरेशन एवं अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में रक्त की आवश्यकता पड़ सकती है। ऐसे में स्वस्थ एवं पात्र व्यक्तियों को स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि रक्तदान का प्रत्येक प्रयास किसी जरूरतमंद के जीवन को बचाने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। उन्होंने आमजन से नियमित एवं स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने तथा अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। इस दौरान जयपुरिया अस्पताल प्रशासन के अधिकारी, चिकित्सक, नर्सिंग एवं अन्य स्वास्थ्यकर्मी उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने प्रधानमंत्री के जन्म दिन पर बधाई और शुभकामनाएं दी

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्म दिन पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की है। बागडे ने कहा कि मोदी दूरदर्शी सोच के स्वप्नदृष्टा प्रधानमंत्री हैं। उनके नेतृत्व में राष्ट्र तेजी से विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। राज्यपाल ने कहा कि 'विकसित भारत' का प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प भारत को फिर से विश्व गुरु के रूप में स्थापित करेगा। उन्होंने मोदी के स्वस्थ एवं मंगलमय जीवन हेतु ईश्वर से प्रार्थना की।

एसकेआईटी में नेचर-पावर्ड नेट-जीरो विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान

जयपुर। (**आस-पास ब्यूरो**) स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, मैनेजमेंट एंड ग्रामोथान (एसकेआईटी), जयपुर के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा रिन्युएबल एनर्जी क्लब के सहयोग से नेचर पावर्ड नेट जीरो सर्कुलर कार्बन टेक्नोलॉजी फोर सस्टेनेबल फ्यूचर विषय पर विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन मेघनाद साहा सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञ वक्ता के रूप में डॉ. मंजीत सिंह, को फाउंडर एवं चीफ टेक्नॉलजी ओफिसर (सी टी ओ), ई-नीउफ ग्रीन सोल्यूशन एवं ई ङ्क नीउफ एनर्जी, ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को सतत विकास, नेट-जीरो कार्बन, जैविक कार्बन कैप्चर, सर्कुलर इकोनॉमी तथा प्रकृति आधारित तकनीकों के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि भविष्य की तकनीकों का उद्देश्य केवल कार्बन उत्सर्जन को कम करना ही नहीं, बल्कि कैप्चर किए गए कार्बन एवं अपशिष्ट को उपयोगी संसाधनों में परिवर्तित कर क्लोज्ड-लूप सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना भी होना चाहिए। डॉ. सिंह ने माइक्रोएल्गी आधारित तकनीक, जैविक वायु शुद्धिकरण, कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन तथा सतत अपशिष्ट प्रबंधन जैसी नवीन तकनीकों पर भी प्रकाश डाला और बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से स्वच्छ वायु, कम कार्बन फुटप्रिंट तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में प्रभावी एवं व्यावहारिक समाधान विकसित किए जा सकते हैं। डॉ. अचिन श्रीवास्तव, विभागाध्यक्ष, मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग, (एसकेआईटी), ने विशेषज्ञ का स्वागत किया तथा उन्हें स्मृति-चिह्न एवं पौधा भेंट कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और नवीकरणीय ऊर्जा, कार्बन प्रबंधन, सतत इंजीनियरिंग तथा ग्रीन टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उभरती संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में डॉ. दीपक कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए विशेषज्ञ वक्ता, विभागाध्यक्ष, समस्त संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया तथा कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया।

स्मैक की खेप और शराब का जखीरा बरामद, 24 वर्षीय महिला गिरफ्तार

जयपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण राजर्षि राज IPS के निर्देशन में मुहाना थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों एवं शराब के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 2.63 ग्राम स्मैक और बड़ी मात्रा में शराब की बोतलें व पव्वे बरामद किए। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त दक्षिण ललित कुमार शर्मा के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त मानसरोवर हेमेंद्र शर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी मुकेश कुमार खारड़िया के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया था। टीम द्वारा संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखते हुए सूचनाएं जुटाई जा रही थीं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने पार्श्वनाथ सिटी में दबिश देकर पायल बिडावत (24), निवासी श्रीजी नगर, रामपुरा रोड, सांगानेर को गिरफ्तार किया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने 2.63 ग्राम स्मैक, शराब की 14 बोतलें और 56 पव्वे बरामद किए। पुलिस ने बरामद मादक पदार्थ एवं शराब जब्त कर मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक पशुपति कुमार शर्मा द्वारा मोहन शर्मा एंड प्रा. लि., ए-10 सुदर्शनपुरा औद्योगिक क्षेत्र जयपुर से मुद्रित एवं एस-2 मेट्रो प्लाजा, परिवहन मार्ग, गोपाल बाड़ी जयपुर से प्रकाशित संपादक पशुपति कुमार शर्मा, मो. 9829219845, कार्यालय 209 ट्यूलिप एनक्लेव सेंट्रल स्पाइन विद्याधर नगर जयपुर, फोन: 0141-4910709/ सीकर कार्यालय एफ-55 ओ. क्षेत्र सीकर, फोन: 01572- 245245, 245164